▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 119 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 23-11-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'मियां' एकजुट होकर वोट करते हैं, जबकि 'हमारे मत' बिखरे हुए हैं : हिमंत

6 मेजर राजेंद्र प्रसाद जाटः ऐसी रणनीति बनाई कि आतंकवादियों को बचने का मौका नहीं मिला

7 प्यार और भावनाएं कभी पुरानी नहीं होतीं : कैलाश खेर

फर्स्ट टेक

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में 3.3 तीव्रता का भूकंप आया

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की राजधानी ढाका के निकट एक उपनगर में शनिवार को 3.3 तीव्रता का भूकंप आया। ढाका के बाहरी इलाके सावर के अशुलिया में आये इस भूकंप से पहले शुक्रवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया था। शुक्रवार को आए भूकंप ने ढाका और देश के कई हिस्सों को हिलाकर रख दिया था। सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) न्यूज ने बांग्लादेश मौसम विज्ञान विभाग (बीएमडी) के हवाले से कहा कि भूकंप पूर्वाह्न लगभग 10:36 बजे आया और इसका केंद्र ढाका के अगरगांव में बीएमडी भूकंपीय केंद्र से 29 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में बैपाय्ल था। शुक्रवार को आए भूकंप में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गयी तथा सौ से अधिक घायल हो गए।

तेलंगाना में 37 माओवादियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी शिवधर रेड्डी के समक्ष शनिवार को 37 माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें से तीन शीर्ष स्तर के माओवादी थे। रेड्डी ने संवाददाताओं को बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों में तीन राज्य समिति सदस्य, तीन संभागीय समिति सदस्य, नौ क्षेत्र समिति सदस्य और 22 अन्य भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के सदस्य शामिल हैं। डीजीपी ने बताया कि तीन राज्य समिति के सदस्य कोय्यदा सांबैया (49) उर्फ आजाद, अप्पासी नारायण उर्फ रमेश (70), और मुचाकी सोमादा हैं।

नाइजीरिया के कैथोलिक स्कूल पर हमले में 300 से अधिक बच्चों का अपहरण

अबुजा/एपी। नाइजीरिया के नाइजर में बंदूकधारियों ने एक कैथोलिक संस्थान पर शुक्रवार को हमला कर 303 स्कूली छात्रों और 12 अध्यापकों का अपहरण कर लिया। देश के 'क्रिश्चियन एसोसिएशन ऑफ नाइजीरिया' (सीएएन) ने यह जानकारी दी। सीएएन ने पहले बताया था कि 215 छात्रों का अपहरण किया गया है। सीएएन की नाइजर राज्य शाखा के अध्यक्ष 'मोस्ट रेवरेंड' बुलुस दाऊवा योहाना के अनुसार, ''सत्यापन प्रक्रिया और अंतिम गणना के बाद'' संख्या में बदलाव किया गया। योहाना ने शुक्रवार को स्कूल का दौरा किया था। उन्होंने बताया कि हमले के दौरान 88 अन्य छात्रों को ''भागने की कोशिश करते समय पकड़ लिया गया।'' इनमें लड़के और लड़कियां शामिल हैं और उनकी उम्र 10 से 18 साल के बीच है।

एकजुटता, समानता और स्थिरता समावेशी विकास के प्रमुख स्तंभ : जी20 घोषणापत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोहानिसबर्ग/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग में शनिवार को जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान अपनाए गए घोषणापत्र में बढ़ती भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक प्रतिस्पर्धा के प्रभाव को स्वीकार किया गया है। साथ ही इसमें कहा गया है कि एकजुटता, समानता और स्थिरता समावेशी विकास के प्रमुख स्तंभ हैं।

घोषणापत्र में ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु कार्रवाई और आपदा प्रतिक्रिया एवं लचीलेपन का भी प्रमुखता से जिक्र किया गया है। इसमें कहा गया है, हम राष्ट्रों के वैश्विक समुदाय के रूप में अपने अंतरसंबंधों को समझते हैं। हम बहुपक्षीय सहयोग, वृहद नीति समन्वय, सतत विकास के लिए वैश्विक साझेदारियों और एकजुटता के माध्यम से यह सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं कि कोई भी पीछे न छूट जाए।

उनतालीस पन्नों के इस घोषणापत्र को शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले शासनाध्यक्षों ने आम सहमति से अपनाया। हालांकि, सम्मेलन में अनुपस्थित अमेरिका ने इसमें अड़चन डालने का प्रयास किया।

घोषणापत्र में बढ़ती भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक प्रतिस्पर्धा एवं अस्थिरता, बढ़ते संघर्षों एवं युद्धों तथा बढ़ती असमानता के कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और विखंडन के प्रभाव को स्वीकार इसमें कहा गया है, ''हम इस चुनौतीपूर्ण राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक माहौल में साझा चुनौतियों का सामूहिक रूप से समाधान करने के लिए बहुपक्षीय सहयोग में अपने विश्वास को रेखांकित करते हैं।''

मोदी ने वैश्विक विकास मानदंडों पर गहन पुनर्विचार करने का आह्वान किया

जोहानिसबर्ग/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक विकास मानदंडों पर गहन पुनर्विचार का शनिवार को आह्वान किया और मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने के लिए जी-20 पहल तथा एक वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रतिक्रिया दल बनाने का प्रस्ताव रखा।

मोदी ने यहां जी-20 नेताओं की बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि जी-20 ने लंबे समय से वैश्विक वित्त और विकास को आकार दिया है, लेकिन प्रचलित मॉडलों ने बड़ी आबादी को संसाधनों से वंचित किया है और प्रकृति के अति-दोहन को बढ़ावा दिया है और ये चुनौतियां अफ्रीका में तीव्रता से महसूस की जा रही हैं। मोदी ने 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत को भी प्रस्तुत किया - जो भारत के सभ्यतागत मूल्यों का हिस्सा है। इसके बारे में उन्होंने कहा कि यह विकास और प्रकृति के बीच संतुलन बनाने का मार्ग दिखाता है।

प्रधानमंत्री ने चार अग्रणी नई पहलों की रूपरेखा प्रस्तुत की - वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार, जी-20-अफ्रीका कौशल विकास पहल, जी-20 वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल प्रतिक्रिया टीम, तथा मादक पदार्थ-आतंकवाद गठजोड़ का मुकाबला करने पर जी-20 पहल।

श्री सत्य साई बाबा ने सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुट्टपर्थी (आंध्र प्रदेश)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि पूज्य आध्यात्मिक गुरु श्री सत्य साई बाबा ने लाखों लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। श्री सत्यसाई जिले के पुट्टपर्थी में सत्य साई बाबा के जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सत्य साई बाबा ने इस विश्वास का प्रचार किया कि 'मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है'।

मुर्मू ने कहा, ''श्री सत्य साई बाबा ने अध्यात्म को निस्वार्थ सेवा और व्यक्तिगत परिवर्तन से जोड़ा। साईं बाबा ने लाखों लोगों को सेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया।''

राष्ट्रपति के अनुसार, सत्य साई बाबा ने अपने अनुयायियों से आध्यात्मिकता को लोक कल्याण के साथ जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि इतने सारे देशों में उनके भक्त वंचितों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि श्री सत्य साई बाबा का निःस्वार्थ सेवा के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम का संदेश श्री सत्य साई संगठन को सेवा के वास्ते स्वयंसेवा करने के लिए प्रेरित कर रहा है। राष्ट्रपति ने कहा, ''सत्य साई बाबा का संदेश है कि सभी से प्रेम करो, सभी की सेवा करो, सदैव मदद करो और कभी किसी को चोट न पहुंचाओ। यह संदेश शाश्वत और सार्वभौमिक है। सत्य साई बाबा का मानना था कि विश्व हमारी पाठशाला है और सत्य, सदाचार, शांति, प्रेम एवं अहिंसा के पांच मानवीय मूल्य हमारा पाठ्यक्रम हैं।''

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने कर्नाटक में महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम की भविष्यवाणी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी ने कर्नाटक में ''अप्रत्याशित और महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम'' की भविष्यवाणी करते हुए शनिवार को कहा कि यह राज्य के सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान के लिए ''अशांति'' का दौर होगा। उनकी यह टिप्पणी राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच चल रही ''सत्ता की खींचतान'' के बीच आई है। यहां जनता दल (सेक्युलर) के रजत जयंती समारोह में कुमारस्वामी ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और उस पर ''वित्तीय कुप्रबंधन, गारंटी के तहत भ्रष्टाचार और राजनीतिक छल'' का आरोप लगाया। कुमारस्वामी ने कहा, ''राज्य में ऐसी स्थिति पैदा हो गई है कि राजनीति में कौन क्या फैसला लेगा, यह कहना नामुमकिन है।

यूक्रेन-रूस युद्ध समाप्त करने की

अपनी योजना में ट्रंप ने जेलेंस्की को किनारे किया

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने के लिए 28 सूत्री नई योजना पेश की और साथ ही साफ कर दिया है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के पास लड़ाई को लंबे समय तक जारी रखने का विकल्प नहीं है और उन्हें इस योजना को स्वीकार करना होगा जो रूस की ओर झुकी प्रतीत होती है। ट्रंप पहले भी जेलेंस्की की सहमति के बिना ही यूक्रेन-रूस युद्ध को समाप्त करने की अपनी योजना पर आगे बढ़ चुके हैं। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति उनकी सरकार की युद्ध समाप्त करने की नई योजना पर अगले बृहस्पतिवार तक प्रतिक्रिया देंगे। ट्रंप ने 'ओवल ऑफिस' में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, '' हम मानते हैं कि हमारे पास शांति स्थापित करने का एक तरीका है। उन्हें (जेलेंस्की को) इसे मंज़ूर करना होगा।''

कोयला माफिया नेटवर्क पर छापेमारी में 14 करोड़ से अधिक नकद और सोना जब्त

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड और पश्चिम बंगाल में सक्रिय एक कथित कोयला माफिया नेटवर्क के खिलाफ तलाशी के दौरान 14 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी और सोना जब्त किया है। ईडी ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बयान में कहा कि कोयले के बड़े पैमाने पर अवैध खनन, चोरी, परिवहन, भंडारण और बिक्री के संबंध में शुक्रवार को दोनों राज्यों में 44 परिसरों पर छापे मारे गए। बयान में कहा गया है कि 14 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी, आभूषण और सोना, कोयला गिरोह से जुड़े विभिन्न संपत्ति के दस्तावेज और भूमि की खरीद-बिक्री से संबंधित समझौते, कई डिजिटल उपकरण, नेटवर्क द्वारा नियंत्रित संस्थाओं के खाता बही आदि जब्त किए गए हैं।

नेपाल में 42 हिमनद झीलों के फटने का गंभीर खतरा

काठमांडू/भाषा। नेपाल में 42 ऐसी हिमनद झीलों की पहचान की गई है जिनके फटने का गंभीर खतरा है। विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी। 'इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट' (आईसीआईएमओडी) के विशेषज्ञ शरद प्रसाद जोशी ने शुक्रवार को संखुवासभा जिले के मुख्यालय खांदबारी में हुई एक चर्चा में चेतावनी दी कि अगर इनमें से कोई झील फटती है, तो भारी जनहानि और बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे को नुकसान हो सकता है।

जोशी ने बताया कि आईसीआईएमओडी की 'नेपाल के ग्लेशियर और हिमनद झीलों में तेजी से हो रहे बदलावों से उत्पन्न जोखिम' शीर्षक वाली रिपोर्ट में देश की 2,069 हिमनद झीलों में से 42 को अत्यधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। ये सभी झील कोशी प्रांत में हैं। उन्होंने कहा कि संखुवासभा जिले में भोटखोला और मकालू इलाके सहित चार हिमनद झीलों को उच्च जोखिम में रखा गया है।

इजराइल ने गाजा में हमास के खिलाफ हमले शुरू किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दीर अल-बलाह/एपी। इजराइल की सेना ने शनिवार को कहा कि उसने हमास आतंकवादियों के खिलाफ हवाई हमले किए हैं। वहीं, गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि इजराइली हमले में कम से कम 14 व्यक्ति मारे गए और बच्चों सहित 45 लोग घायल हो गए।

शिफा अस्पताल के प्रबंध निदेशक रामी महन्ना ने बताया कि गाजा शहर के रिमल इलाके में एक वाहन को निशाना बनाकर किये गए हमले में सात फलस्तीनी मारे गए और 18 अन्य घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के निदेशक मोहम्मद अबू सेल्मिया ने बताया कि घायलों में ज़्यादातर बच्चे हैं।

मध्य गाजा में अल-अवदा अस्पताल के पास एक मकान को निशाना बनाकर किए गए एक अन्य हमले में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए।

अस्पताल के अधिकारी ने बताया कि मध्य गाजा के नुसेरात शिविर में एक मकान पर हुए हमले में एक बच्चे की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। अल-अक्सा अस्पताल के अनुसार, मध्य गाजा के दीर अल-बलाह में एक मकान को निशाना बनाकर किए गए हमले में एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई।

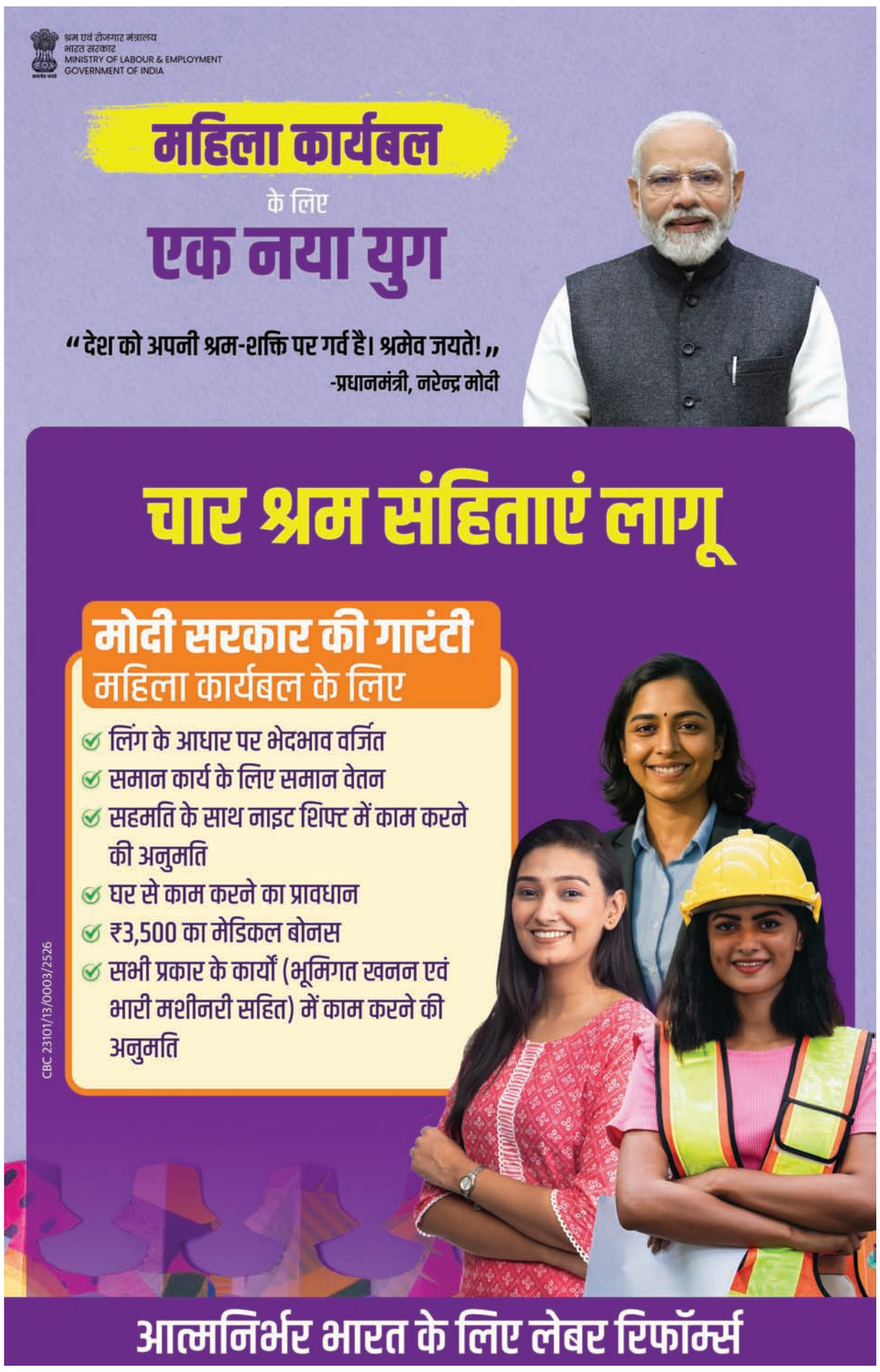

सूर्यास्त 23-11-2025 5:39 बजे	सूर्योदय 24-11-2025 6:11 बजे
BSE 85,231.92 (-400.76)	NSE 26,068.15 (-124.00)
सोना 12,878 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 175,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कुछ करो

परिवर्तित परिणाम हुए तो,
रहे पराजित मन मसोस कर।
यह चुनाव का अविचल रथ जो,
लोकतंत्र में चले निरंतर।
अंतर चाहे न्यून भले हो,
जो जीते वो बने सिकंदर।
काम करेंगे नहीं अगर जो,
हो जाएंगे वे छूमंतर।।

सहज स्मृति योग

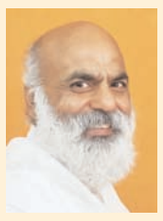

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, कृपया मुझे शास्त्र की परिभाषा बताएँ? सनातन धारा में तो असंख्य पुस्तकें हैं, ऐसे में सर्वस्वीकृत शास्त्र किसे माना जाए ? जिन रिलीजंस मज़हब, मत आदि में कोई एक शख्सियत और उसी से संबंधित कोई पुस्तक होती है तो उनके लिए तो सहमत होना और संगठित होना दोनों काम आसान है।सनातन परंपरा में किन बिंदुओं पर सहमति संभव है, क्योंकि, बिना सहमति के तो संगठित होना असंभव ही है।

उत्तर: परिभाषा की दृष्टि से तो यही सर्व स्वीकृत होगा कि शास्त्र की जो परिभाषा सर्वस्वीकृत सिद्ध हो और उस परिभाषा पर जो शास्त्र खरा उतरे उसे ही शास्त्र स्वीकार किया जाए। प्रश्न यहाँ यह उठेगा कि किसी परिभाषा की सर्व स्वीकार्यता कैसे सिद्ध हो सकती है ? क्या इसका कोई व्यावहारिक उपाय है ? एक उदाहरण से इसे समझने की कोशिश करते हैं। साधु सत्यवादी होते हैं और, आपने साधुओं को ये दोनों वचन बोलते हुए सुना होगा कि 'जीव ही शिव है तथा शिव ही जीव है '। तो परिभाषा की दृष्टि से तो शिव और जीव में कोई भाषित अंतर नहीं है न! तथापि दोनों में अंतर भासित तो होता ही है और यह अंतर केवल ज्ञान के आयतन का अंतर है। इस अंतर का दर्शन या तो आगम विधि (दृष्टि) से या फिर निगम विधि (दृष्टि) से किया जाता है। जिस दृष्टि या विधि से दर्शन किया जाए वही उसका शास्त्र होता है और लक्ष्य भी दोनों का एक ही है। हम चाहे, शास्त्र ही गुरु है, कहें। चाहे, गुरु ही शास्त्र है, कहें। कहने में हमारी गुरुता (शक्ति/स्ट्रेस) जिस शब्द पर होती है वही हरेक का व्यक्तिगत चुनाव होता है और सर्व स्वीकार्यता ऐसे चुनाव से ही सिद्ध हो सकती है। इस व्यवस्था से किसी को भी हम बाहर छोड़ नहीं सकते और उसे उसके चुनने की स्वतंत्रता के अधिकार से वंचित नहीं कर सकते। अन्यथा शिवत्व का सर्वव्यापकत्व सिद्ध नहीं हो पाएगा । हर जीव को शिव जैसा मान देने की यही मर्यादा है। शिवत्व का उत्तरदायित्व अपने मानवी जीवन व्यवहार के निमित्त से जीवात्मा के साथ उसके इसी सनातन सम्बन्ध की मर्यादा की प्रतिष्ठा करना होता है। जब वसुधा पर यह प्रतिष्ठा होती है तब ऐसे सर्व व्यापक शिवत्व की अवस्था और व्यवस्था में असंख्य जीवात्माएं शिवत्व को व्यक्त कर असंख्य शास्त्रों का कृतित्व/ सृजन करने में समर्थ होतीं हैं। सनातनी मति पारंपरिक स्वरूप से जो बिंदु मति (ऋत/प्रज्ञा/धी)सम्मत हैं उन सभी बिंदुओं पर परस्पर सदैव सहमत रही है। मति और मत का अंतर मति से ही स्पष्ट हो पाता है, मत से नहीं ।

आईएसआई से जुड़े ड्रोन हथियार आपूर्ति नेटवर्क का भंडाफोड़, चार व्यक्ति पकड़े गए

नई दिल्ली/भाषा

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से समर्थित आपूर्तिकर्ता से जुड़े एक अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ करके चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जो उत्तर भारत में संगठित अपराध गिरोहों को उच्च गुणवत्ता वाले विदेशी हथियारों की आपूर्ति करने में शामिल था। यह जानकारी पुलिस ने शनिवार को दी।

पुलिस के अनुसार, यह नेटवर्क विदेशी हथियार पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से तस्करी के जरिये हासिल करता था और उनकी आपूर्ति दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा पंजाब में गैंगस्टर को करता था।

पुलिस के अनुसार, जांच में पता चला कि हथियारों की तस्करी पाकिस्तान से विशेष ड्रोन के माध्यम से की जा रही थी, जो राडार से बचने के लिए कम ऊंचाई पर उड़ान भरने में सक्षम थे।

इसने कहा कि सीमा के उस पार स्थित तस्कर हथियारों की खेप कथित रूप से रात के समय पंजाब में अंतरराष्ट्रीय सीमा के संवेदनशील हिस्सों में पूर्व-निर्धारित जीपीएस स्थानों पर गिराते थे।

पुलिस के अनुसार, स्थानीय प्राप्तकर्ता उस खेप को उठाते थे, उन्हें सुरक्षित ठिकानों तक पहुंचाते थे और फिर उसकी आपूर्ति पूरे देश के अपराध नेटवर्क को करते थे। पुलिस के अनुसार, यह मॉड्यूल 'एन्क्रिप्टेड' संचार का उपयोग करता था और निगरानी से बचने के लिए हथियार गिराने का स्थान बार-बार बदलता रहता था।

इसने बताया कि तस्कर निगरानी से बचने के लिए हथियारों को कार्बन लेपित सामग्री में लपेटते थे और भुगतान हवाला एवं प्रॉक्सी खातों के माध्यम से करते थे।

पुलिस ने बताया कि इस अभियान में 10 अत्याधुनिक पिस्तौल के साथ 92 कारतूस जब्त किए गए। इसने कहा कि इन हथियारों में तुर्किये निर्मित पीएक्स-5.7 मॉडल शामिल हैं जो केवल विशेष बलों द्वारा उपयोग किए जाते हैं।

इसने कहा कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मंदीप सिंह (38) और दलविंदर कुमार (34), दोनों पंजाब निवासी तथा रोहन तोमर (30) और अजय उर्फ मोनू (37), उत्तर प्रदेश के बागपत निवासी के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, 19 नवंबर को सूचना मिली थी कि पंजाब मूल के गैंगस्टर सोनू खत्री उर्फ राजेश कुमार से जुड़ी आईएसआई समर्थित हथियार आपूर्ति श्रृंखला की गतिविधियां जारी हैं। सोनू खत्री वर्तमान में अमेरिका में रह रहा है और उस पर 45 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

इसने कहा कि रोहिनी के बावना रोड पर खाटू श्याम मंदिर के पास जाल बिछाया गया जहां एक सफेद कार आई, जिसे पुलिस ने रोका और दो संदिग्धों को पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, वाहन के स्पीकर बॉक्स में छिपाए गए डफल बैग से विदेश निर्मित आठ पिस्तौल और 84 कारतूस बरामद हुए। वहीं, मौके पर मंदीप और दलविंदर को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में पुलिस को उनके दो और साथियों- रोहन तोमर और अजय उर्फ मोनू के बारे में जानकारी मिली। पुलिस के अनुसार, उनके कब्जे से दो अतिरिक्त पिस्तौल और आठ कारतूस जब्त किए गए।

इसने कहा कि मंदीप और दलविंदर बचपन के दोस्त हैं और गैंगस्टर सोनू खत्री के करीबी सहयोगी जसप्रीत उर्फ जस के माध्यम से हथियार सिंडिकेट में शामिल हुए। पुलिस के अनुसार, जस वर्तमान में विदेश में है और माना जाता है कि वह आईएसआई संबंधित आपूर्तिकर्ताओं से जुड़ा है, जो ड्रोन के माध्यम से हथियार आपूर्ति की व्यवस्था करते हैं।

रोहन और अजय लंबे समय से दिल्ली-एनसीआर के गिरोहों, जैसे गोगी गैंग, भाऊ गैंग और कपिल संगवान उर्फ नंदू गैंग से जुड़े थे तथा सुपारी हत्यारों और फिरौती मॉड्यूल को उन्नत हथियार आपूर्ति करने में शामिल थे।

पुलिस के अनुसार, कुल मिलाकर 10 पिस्तौल, 92 कारतूस और एक सफेद कार जब्त की गई। जब्त पिस्तौल में तुर्की निर्मित 3 पीएक्स-5.7 पिस्तौल और चीन निर्मित 5 पीएक्स-3 पिस्तौल शामिल हैं।

इस संबंध में पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि तुर्की निर्मित पीएक्स-5.7 पिस्तौल की बरामदगी इस नेटवर्क की उच्चस्तरीय और संगठित अंतरराष्ट्रीय आपूर्त श्रृंखला को दर्शाती है, जो केवल विशेष बलों द्वारा उपयोग की जाती हैं। उन्होंने कहा कि विस्तृत जांच जारी है ताकि नेटवर्क में शामिल और मॉड्यूल की पहचान की जा सके।

उद्घाटन

सिटी इंडिया के उएज के बालासुब्रमण्यम ने टाटा मेमोरियल में सीचीआरसी फैसिलिटी का उद्घाटन किया।

डेटा-संचालित शासन, संस्थागत परिपक्वता विकसित भारत के प्रमुख स्तंभ : सीएजी

नई दिल्ली/भाषा

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सीएजी) के. संजय मूर्ति ने विभिन्न क्षेत्रों में शासन को आकार देने में युवा सिविल सेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करते हुए विकसित भारत के लिए तीन प्रमुख स्तंभों को रेखांकित किया है।

मूर्ति ने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए पहुंच का विस्तार करना, डेटा-संचालित शासन को बढ़ावा देना और वित्तीय प्रबंधन में संस्थागत परिपक्वता को मजबूत करना तीन प्रमुख स्तंभ हैं।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने शुक्रवार शाम मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में 100वें 'कॉमन फाउंडेशन कोर्स' में विकसित भारत पर व्याख्यान देते हुए यह बात कही।

मूर्ति ने 660 प्रतिभागी प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए बताया कि किस प्रकार डेटा-संचालित शासन संस्थागत जवाबदेही और सुधार को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि हालांकि कई भारतीय संस्थान शुरू में क्यूएस और टाइम्स उच्च शिक्षण जैसी वैश्विक रैंकिंग में भाग लेने से हिचकिचा रहे थे, लेकिन अंततः उनकी भागीदारी से अनुसंधान की गुणवत्ता, रोजगारपरकता के परिणाम, लैंगिक प्रतिनिधित्व और सतत विकास लक्ष्य से जुड़े प्रदर्शन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। मूर्ति ने ऐसे उदाहरण दिए जहां व्यवस्थित डेटा संग्रह, बेहतर नियोक्ता पहुंच और बेहतर दस्तावेजीकरण ने विश्वविद्यालयों को वैश्विक रैंकिंग में उल्लेखनीय रूप से ऊपर उठने में सक्षम बनाया।

कार्यक्रमों में बुके नहीं, बुक दीजिए : पुष्कर सिंह धामी

देहरादून/भाषा

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कहा कि इंटरनेट और कृत्रिम मेधा (एआई) के युग में भी पुस्तकों का कोई विकल्प नहीं है और इसलिए कार्यक्रमों में बुके नहीं, बुक दीजिए।

वरिष्ठ पत्रकार जयसिंह रावत द्वारा लिखित पुस्तक उत्तराखंड राज्य का नवीन राजनीतिक इतिहास का विमोचन करने के बाद मुख्यमंत्री ने पुस्तक पढ़ने की आदत विकसित करने पर बल देते हुए कहा कि आज इंटरनेट और कृत्रिम मेधा के दौर में जानकारी तुरंत उपलब्ध हो जाती है, लेकिन किताबों का महत्व कभी कम नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि पुस्तकें हमारे विचारों को गहराई देती हैं और ज्ञान को स्थायी रूप से संजोती हैं।

धामी ने कहा, पुस्तकों का कोई 'रिप्लेसमेंट' (विकल्प) नहीं है। पुस्तकें केवल ज्ञान का स्रोत नहीं, बल्कि सोचने, समझने और सीखने की एक गहरी प्रक्रिया हैं। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अपील की, किसी भी कार्यक्रम में 'बुके नहीं, बुक दीजिए', इससे जहां पुस्तकों के प्रति रुचि बढ़ेगी, वहीं लेखकों को भी प्रेरणा मिलेगी।

धामी ने कहा कि वह स्वयं भी पुस्तकें पढ़ने के लिए समय निकालते हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान वह अपने साथ पुस्तकें ले जाते हैं, जहां उन्हें चार पांच

घंटे पढ़ने का अवसर मिल जाता है।

राज्य गठन के बाद की 25 वर्षों की राजनीतिक यात्रा को सुसंगतता और प्रमाणिकता के साथ संकलित करने के लिए मुख्यमंत्री ने रावत की सराहना की और कहा कि यह पुस्तक शोधार्थियों, विद्यार्थियों और प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध होगी।

अपनी भाषा, संस्कृति और रीति-रिवाजों के संरक्षण पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्थानीय भाषाओं में लेखन, गीत-संग्रह, शोध और 'डिजिटल कंटेंट' तैयार करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्थानीय बोली-भाषाओं और साहित्य के 'डिजिटाइजेशन' पर विशेष ध्यान दे रही है, ताकि गढ़वाली, कुमाऊंनी, जौनसारी सहित सभी क्षेत्रीय भाषाओं का सांस्कृतिक खजाना सुरक्षित रहे और नई पीढ़ी आसानी से इन तक पहुंच सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डिजिटल माध्यमों पर सामग्री उपलब्ध होने से हमारी मातृभाषाएं न केवल संरक्षित होंगी, बल्कि आधुनिक समय के अनुरूप और अधिक सशक्त रूप में आगे बढ़ेंगी।

कार्यक्रम में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शीतकालीन सत्र के लिए 10 विधेयक सूचीबद्ध

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पेश करने के लिए कुल 10 विधेयकों को सूचीबद्ध किया है जिनमें निजी कंपनियों के लिए असैन्य परमाणु क्षेत्र को खोलने के प्रावधान वाला एक विधेयक भी शामिल है।

'परमाणु ऊर्जा विधेयक, 2025' भारत में परमाणु ऊर्जा के उपयोग और विनियमन को नियंत्रित करने के उद्देश्य लाया जा रहा है।

इस सत्र के लिए उच्च शिक्षा आयोग विधेयक भी सरकार के एजेंडे में है।

लोकसभा बुलेटिन के अनुसार, प्रस्तावित कानून विश्वविद्यालयों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों को स्वतंत्र और स्वशासी संस्थान बनने और मान्यता और स्वायत्तता की एक मजबूत और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए भारत के एक उच्च शिक्षा आयोग की स्थापना का मार्ग प्रशस्त करता है।

राष्ट्रीय राजमार्ग (संशोधन) विधेयक भी परिचय के लिए सूचीबद्ध है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों के लिए तेज़ और पारदर्शी भूमि अधिग्रहण सुनिश्चित करना है।

कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2025 भी एजेंडे में शामिल है, जिसका उद्देश्य व्यवसाय करने में आसानी की सुविधा के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 और एलएलपी (सीमित देयता भागीदारी) अधिनियम, 2008 में संशोधन करना है।

इसके अलावा सरकार के एजेंडे में प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक (एसएमसी), 2025 है, जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992, डिपॉजिटरी अधिनियम, 1996 और प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956 के प्रावधानों को एक तर्कसंगत एकल प्रतिभूति बाजार संहिता में समेकित करने का प्रस्ताव करता है।

सरकार मध्यस्थता और सुलह अधिनियम में संशोधन की भी योजना बना रही है। विधि मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि कानून की धारा 34 में प्रस्तावित संशोधन और कंपनी निदेशकों पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी के कारण सरकार को इस मुद्दे को एक समिति के पास भेजना पड़ा है।

कर्नाटक की प्रशासनिक व्यवस्था कांग्रेस की अंतर्कलह से ध्वस्त हो रही : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

नई दिल्ली/बेंगलूरु

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के बीच कथित खींचतान की खबरों के बीच शनिवार को दावा किया कि प्रशासन पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है और सत्तारूढ़ कांग्रेस के अंदर अंतर्कलह की वजह से कोई विकास कार्य नहीं हो रहा है। विजयेंद्र ने इन आरोपों को भी खारिज कर दिया कि भाजपा कर्नाटक में परेशानी के माहौल का लाभ उठाने या सत्ताधारी कांग्रेस के भीतर सत्ता संघर्ष के बारे में भ्रामक सूचना फैलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि 'अक्टूबर क्रांति' और 'नवंबर क्रांति' के दावे कांग्रेस के मंत्री और विधायक ही कर रहे हैं।

विजयेंद्र ने कहा, ''हमें इसमें बिल्कुल भी रुचि नहीं है। हम विपक्ष में बहुत ही सहज हैं। जनादेश बहुत स्पष्ट है। लोग चाहते थे कि भाजपा विपक्ष में बैठे। जनता ने कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत दिया है। हमें कांग्रेस पार्टी के भीतर हो रही घटनाओं में कोई रुचि नहीं है।'' उन्होंने कहा कि भाजपा की केवल यह मांग है कि राज्य के मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए। भाजपा के दावों पर कांग्रेस की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार अपने चुनावी घोषणापत्र में ढाई साल पहले किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा, ''मुख्यमंत्री और

नई दिल्ली में शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं कर्नाटक के प्रभारी सांसद राधामोहन अग्रवाल से मुलाकात करते हुए कर्नाटक के भाजपा राज्याध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा

उपमुख्यमंत्री सप्ताह में चार दिन दिल्ली में समय बिता रहे हैं। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के लिए प्रयासरत हैं... उनके अंदरूनी विवाद के कारण पूरी कैबिनेट और सत्ताधारी पार्टी के विधायक दिल्ली में ठहरे हुए हैं, जिसका प्रशासन पर सीधा असर पड़ा है।'' उन्होंने कहा, उनके अंदरूनी झगड़ों के कारण पूरा प्रशासन ध्वस्त हो गया है... कर्नाटक का क्या होगा? उन्हें कर्नाटक के लोगों और उनकी समस्याओं की बिल्कुल भी चिंता नहीं है। कानून और व्यवस्था दिन-प्रतिदिन बिगड़ रही है। खुलेआम डकैती हो रही है। हत्या हो रही है।''उन्होंने कहा, ''केवल भाजपा ही नहीं, बल्कि कर्नाटक के लोग भी महसूस करते हैं कि उन्हें कांग्रेस सरकार ने निराश किया है। जनता को लगता है कि उन्हें इस शासन द्वारा धोखा दिया गया है।'' विजयेंद्र ने कर्नाटक सरकार में ''भारी भ्रष्टाचार'' का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''कर्नाटक कांग्रेस हाई कमान के लिए एक एटीएम बन गया है।'' उन्होंने सिद्दरामय्या सरकार को पूर्णतः ''विफल'' करार देते हुए कहा, मुख्यमंत्री पिछले ढाई साल में बड़े-बड़े उपलब्धियों का दावा कर रहे हैं। जबकि प्रशासन ध्वस्त हो चुका है और राज्य में कोई विकास कार्य नहीं हो रहा, तो उन्होंने कौन सी उपलब्धि हासिल की?

कांग्रेस नेताओं ने दुर्भावनापूर्ण कारणों से सरदार पटेल के योगदान की अनदेखी की : नड्डा

नई दिल्ली/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शनिवार को देश को एकजुट करने में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान की सराहना की और आरोप लगाया कि कांग्रेस की ''साजिश'' के कारण भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री को आजादी के बाद चार दशकों तक इतिहास में वह सम्मान नहीं मिल सका जिसके वह ''सच्चे हकदार'' थे।

नड्डा ने कहा कि अगर किसी ने सरदार पटेल को देश के इतिहास में ''सही और उचित स्थान'' दिया है, तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में ''ऐट 150 यूनिटी मार्च'' को हरी झंडी दिखाने के बाद एक कार्यक्रम में ये टिप्पणियां कीं। पटेल भारत के पहले गृह मंत्री भी रहे।

नड्डा ने कहा, ''अंग्रेज चाहते थे कि भारत कमजोर और विभाजित रहे। हमें उस मानसिकता से भी मुक्ति मिली। हमारा देश 562 रियासतों में बंटा हुआ था। हम विदेशी शासन के अधीन रहे क्योंकि हम विभाजित थे।'' उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने दो साल के भीतर इन रियासतों को एकजुट कर एक राष्ट्र बनाया।

केंद्रीय मंत्री नड्डा ने कहा, ''उन्होंने एक विभाजित भूमि को एक मजबूत और एकजुट भारत - 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' में बदल दिया। लेकिन दुर्भाग्य से इतिहास और देश में उन्हें जो सम्मान मिलना चाहिए था, उसकी कांग्रेस के शासनकाल में कांग्रेस नेताओं ने दुर्भावनापूर्ण और स्वार्थी कारणों से अनदेखी की।'

श्रम संबंधी 29 मौजूदा कानून चार संहिताओं के रूप में पेश किए गए: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को दावा किया कि श्रम संबंधी 29 मौजूदा कानूनों को चार संहिताओं में समाहित करके नए रूप में पेश कर दिया गया और इसे एक क्रांतिकारी सुधार के रूप में प्रचारित किया जा रहा है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार और राजस्थान की पूर्व कांग्रेस सरकार से सामाजिक सुरक्षा उपायों के संबंध में सीख लेनी चाहिए।

सरकार ने शुक्रवार को एक ऐतिहासिक फैसले में चार श्रम संहिताओं को तत्काल प्रभाव से लागू करने की घोषणा की। इनके जरिये 29 मौजूदा श्रम कानूनों को तर्कसंगत बनाया गया है।

ये चार श्रम संहिताएं वेतन संहिता, 2019, औद्योगिक संबंध संहिता, 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 तथा व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता, 2020 हैं।

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 29 मौजूदा श्रम संबंधी कानूनों को चार संहिताओं में समाहित करके नए रूप में पेश कर दिया गया है। इसे क्रांतिकारी सुधार के रूप में प्रचारित किया जा रहा है जबकि नियमों को अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है। उन्होंने सवाल किया कि क्या ये संहिताएं श्रमिक न्याय के लिए भारत के श्रमिकों की पांच आवश्यक मांगों को वास्तविकता बना देंगे?

रमेश का कहना है कि इन मांगों में राष्ट्रीय न्यूनतम मजदूरी 400 रुपए प्रति दिन करने की बात भी है और इसमें मनरेगा भी शामिल है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि स्वास्थ्य का अधिकार कानून होना चाहिए जो 25 लाख रुपए का सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करेगा।

सम्मेलन

बेंगलूरु में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने समकालीन संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणालियों के महत्व पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया, जिसका आयोजन सेंट पॉल कॉलेज के भाषा विभाग द्वारा केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार और कर्नाटक राज्य विश्वविद्यालय महाविद्यालय हिंदी प्राध्यापक संघ के तत्वावधान में किया गया था। इस कॉन्फ्रेंस में कई जाने-माने लोग शामिल हुए, जिनमें सेंट्रल हिंदी डायरेक्टरेट, नई दिल्ली के असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. मोहम्मद नसीम; बेंगलूरु यूनिवर्सिटी के वाइस-चांसलर डॉ. जयकर शेट्टी; सेंट पॉल कॉलेज के प्रिंसिपल फादर डॉ. थॉमस एम.जे.; एडमिनिस्ट्रेटर फादर रॉनी लुईस; कर्नाटक स्टेट यूनिवर्सिटी हिंदी प्रोफेसर्स एसोसिएशन के भाषा विभाग की अध्यक्ष डॉ. तृप्ति शर्मा; और सेंट पॉल सोसाइटी के फाउंडर प्रेसिडेंट डॉ. एस.ए. मंजूनाथ शामिल थे।

2026 विधानसभा चुनाव :

कांग्रेस ने द्रमुक के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत के लिए समिति गठित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगई ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 2026 के राज्य विधानसभा चुनाव के वास्ते द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ सीट-बंटवारे पर बातचीत करने के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। तमिलनाडु प्रदेश कांग्रेस कमेटी के शीर्ष नेता सेल्वापेरुंथगई ने कहा कि राज्य में सत्ताधारी द्रमुक के साथ बातचीत करने के लिए बनाई गई कांग्रेस समिति का नेतृत्व तमिलनाडु और पुडुचेरी के पार्टी प्रभारी गिरीश चूडांकर करेंगे। सेल्वापेरुंथगई और विधायक दल के नेता एस. राजेशकुमार समिति का हिस्सा होंगे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने पार्टी द्वारा समिति का गठन किए जाने का स्वागत किया और कहा कि इससे इंडिया' गठबंधन की एकता मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि उनका मानना ङ्कङ्कहै कि इस घोषणा से गठबंधन को लेकर कुछ दावे खत्म हो जाएंगे।

चिदंबरम का बयान इसलिए महत्व रखता है क्योंकि ऐसी अटकलें थीं कि कांग्रेस पार्टी 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए द्रमुक को छोड़कर अभिनेता एवं राजनीतिक नेता विजय की पार्टी तमिझागा वेत्री कझगम (टीवीके) से हाथ मिला सकती है। चिदंबरम ने अपनी पार्टी के टीवीके से हाथ मिलाने की ऐसी अटकलों को परोक्ष तौर पर खारिज किया है।

'फिर से हिंदुओं का अपमान' :

संस्कृत को 'मृत भाषा' बताने पर भाजपा ने उदयनिधि पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन पर संस्कृत को 'मृत भाषा' कहने को लेकर हमला बोला और कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता बार-बार हिंदुओं का अपमान कर ''अराजकता और विभाजन'' का प्रतीक बन गए हैं।

उदयनिधि स्टालिन ने शुक्रवार को चेन्नई में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तमिल भाषा के विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा 150 करोड़ रुपये आवंटित करने की आलोचना की और कहा कि इसके विपरीत एक 'मृत भाषा' संस्कृत के लिए 2,400 करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं। इस टिप्पणी पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि उदयनिधि स्टालिन हिंदुओं के प्रति अपनी ''नफरत'' के लिए जाने जाते हैं।

उन्होंने कहा कि द्रमुक नेता इससे पहले भी हिंदुत्व और हिंदुओं की तुलना डेंगू और मलेरिया से कर उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचा चुके हैं। भाटिया ने कहा, एक बार फिर हिंदुओं और हमारी संस्कृति का अपमान करते हुए उदयनिधि स्टालिन अब कह रहे हैं कि संस्कृत एक मृत भाषा है। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सकारात्मक राजनीति के जरिये विकास और अखंडता को बढ़ावा देकर 'एकता के प्रतीक' बन गए हैं, वहीं स्टालिन ''अराजकता और विभाजन'' के पर्याय बन गए हैं।

भाटिया ने कहा कि स्टालिन बार-बार ''घृणित'' बयान देकर हिंदुओं की भावनाओं को चोट पहुंचाते हैं, जबकि उच्चतम न्यायालय पहले भी द्रमुक नेताओं को ऐसे ''बेतुके बयानों'' के लिए फटकार लगा चुका है। उन्होंने कहा, ''उदयनिधि स्टालिन यह भूल जाते हैं कि संस्कृत हमारी संस्कृति और धार्मिक ग्रंथों की आधारशिला है और करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ी हुई है।''

सबरीमला सोना चोरी मामले में केंद्रीय एजेंसियां दखल दे सकती हैं : जॉर्ज कुरियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड। केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने शनिवार को कहा कि अगर सबरीमला सोना चोरी मामले में काले धन का पहलू है तो केंद्रीय एजेंसियां दखल दे सकती हैं और गड़बड़ी में शामिल लोगों को भगवान अयप्पा नहीं छोड़ेंगे। केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेरी तथा अल्पसंख्यक कार्य राज्य मंत्री कुरियन ने कहा कि चूंकि अनियमितताओं के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई है, इसलिए केंद्रीय एजेंसियां कानून के अनुसार हस्तक्षेप कर सकती हैं।

उन्होंने कहा, यह दखल राजनीतिक नहीं होगा। यह कानून के मुताबिक होगा। मुझे विश्वास है कि वे (एजेंसियां) ऐसा करेंगी। उन्होंने दावा किया कि गड़बड़ियों के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए सभी लोग नास्तिक हैं क्योंकि वे मुस्कुराते हुए गए, इस बात से खुश थे कि उन्होंने अपनी सोच से जुड़ी ज़िम्मेदारियां पूरी की हैं।

कुरियन ने आरोप लगाया कि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नेतृत्व ने सोना लूटा ताकि पार्टी में गरीबी न रहे। उन्होंने कहा, लेकिन चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है, भगवान अयप्पा किसी को नहीं छोड़ेंगे। कुरियन यहां माकपा नेता और त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष ए पद्मकुमार की हाल में हुई गिरफ्तारी के बारे में संवाददाताओं के सवालों का जवाब दे रहे थे।

पद्मकुमार को सबरीमला में भगवान अयप्पा मंदिर की कलाकृतियों पर सोने की परत चढ़ाने में हुई गड़बड़ियों के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी में कोई हैरानी की बात नहीं है।

काशी तमिल संगम का चौथा संस्करण दो दिसंबर से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान-प्रदान कार्यक्रम काशी तमिल संगम का चौथा संस्करण दो दिसंबर से आयोजित होगा। शिक्षा मंत्रालय ने शनिवार को यह घोषणा की। इस साल के प्रमुख आकर्षणों में रामेश्वरम में समापन समारोह शामिल है, जो कार्यक्रम की भव्य समाप्ति को दर्शाएगा। साथ ही, इसमें और एक नयी पहल तमिल कर्पोम की शुरुआत भी शामिल होगी, जो उत्तर भारत के छात्रों को तमिलनाडु में तमिल सीखने का अवसर प्रदान करेगी।

कार्यक्रम के बारे में कहा गया कि काशी तमिल संगम 4.0 को तमिल सीखें – 'तमिल करकलम' विषय के तहत आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य पूरे देश में तमिल सीखने को बढ़ावा देना और भारत की शास्त्रीय भाषाई और साहित्यिक विरासत के प्रति व्यापक सराहना को प्रोत्साहित करना है। शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, इस काशी तमिल संगम संस्करण में तमिलनाडु से 1,400 से अधिक प्रतिनिधि सात श्रेणियों के तहत भाग लेंगे।

अधिकारी ने बताया कि प्रतिनिधि आठ दिन की अनुभवात्मक यात्रा पर जाएंगे, जिसमें वाराणसी, प्रयागराज और अयोध्या की यात्राएं शामिल हैं। साथ ही अंतरसंवाद, संगोष्ठी, सांस्कृतिक प्रदर्शन, स्थानीय भोजन, हस्तशिल्प और धरोहर का अनुभव भी शामिल होगा। पिछले संस्करणों की तरह, आईआईटी-मद्रास और काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) इस बार भी काशी तमिल संगम के चौथे संस्करण को लागू करने के लिए नोडल संस्थान के रूप में कार्य करेंगे, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार और कई केंद्रीय मंत्रालयों का सहयोग होगा। ऋषि अगस्त्य वाहन अभियान, दो दिसंबर को तेनकासी से शुरू होगा और इसका समापन 10 दिसंबर को काशी में होगा।

कोच्चि में महिला की हत्या, बोरे में मिला शव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। केरल के कोच्चि में शनिवार को एक घर के परिसर में एक महिला की हत्या कर दी गई और उसका शव प्लास्टिक की बोरी में लपेटा हुआ पाया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना के सिलसिले में कोंथुरूथी निवासी जॉर्ज के.के. को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने एक महिला को पिछली रात थेवारा के साउथ गर्ल्स हाई स्कूल के पास से अपने घर लाया था, जिसे एक यौनकर्मी बताया जा रहा है।

कोच्चि के पुलिस अधीक्षक सिबी टॉम ने बताया कि पैसों को लेकर उनके बीच झगड़ा हुआ और गुस्से में आकर आरोपी ने महिला के सिर पर लोहे की छड़ से वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। टॉम ने यहां संवाददाताओं को बताया, पूछताछ के दौरान जॉर्ज ने अपना अपराध कबूल कर लिया। उसके बयान के अनुसार, उसने शव को घर से बाहर खींचकर ठिकाने लगाने की कोशिश की, लेकिन ऐसा करने से पहले ही वह गिर पड़ा।''

इससे पहले, जॉर्ज ने कथित तौर पर शव को निपटाने के लिए निवासियों से मदद मांगी थी और दावा किया था कि यह एक पालतू जानवर का शव है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में इस बात की पुष्टि हुई है कि यह घटना हत्या की है, क्योंकि घर के अंदर खून के धब्बे मिले हैं।

सरकार फिशरीज़ यूनिवर्सिटी बनाने के लिए तैयार है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने ऐलान किया कि सरकार फिशरीज़ यूनिवर्सिटी बनाने के लिए तैयार है। वे फिशरीज़ डिपार्टमेंट द्वारा आयोजित वर्ल्ड फिशरीज़ डे सेलिब्रेशन और 2025 मत्स्य मेला का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। हमने डिपार्टमेंट और मछुआरे परिवारों के विकास के लिए मंगला वैद्य को मंत्री बनाया है, जो समुद्र के किनारे से हैं। वे डिपार्टमेंट को अच्छे से मैनेज कर रहे हैं। उन्होंने मछुआरा समुदाय के विकास के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए उनकी तारीफ़ की। राज्य में 320 किलोमीटर का समुद्र तट है। 5.5 लाख हेक्टेयर अंदर का पानी का एरिया है। मछली एक्सपोर्ट में राज्य चौथे नंबर पर है। देश में मछली प्रोडक्शन में राज्य तीसरे नंबर पर है। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर, मछली पकड़ना 10 लाख लोगों की रोजी-रोटी का साधन है। हमारी सरकार बनने के बाद, मोटर वाली नावों के लिए डीज़ल की सालाना लिमिट 1.5 लाख किलोलीटर से बढ़ाकर 2 लाख किलोलीटर कर दी गई है। हम गांव की नावों को इंडस्ट्रियल केरोसीन तेल 35 रुपये प्रति लीटर की रियायती दर पर बांट रहे हैं।

स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखा पत्र, कहा -

मेट्रो रेल परियोजनाओं को नामंजूर करने से लोग नाराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर कोयंबटूर और मदुरै में मेट्रो रेल परियोजनाओं से जुड़े प्रस्तावों को खारिज करने के केंद्र सरकार के फैसले के प्रति अपनी निराशा जताई। स्टालिन ने मोदी से फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह करते हुए कहा कि इसे लेकर जनता में भारी नाराजगी है। उन्होंने कहा कि 'बड़े विकास इंजन' वाले शहरों में उच्च क्षमता वाले सार्वजनिक परिवहन विकल्प अनिवार्य हैं।

स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया कि तमिलनाडु देश का सबसे अधिक शहरीकृत राज्य है, जहां प्रति व्यक्ति निजी वाहन की संख्या काफी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि इसके देखते हुए राज्य सरकार ने कोयंबटूर और मदुरै में मेट्रो रेल परियोजनाओं के लिए डीपीआर (विस्तृत परियोजना रिपोर्ट) तैयार की तथा इन्हें मंजूरी के लिए केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) के पास भेज दिया।

स्टालिन ने कहा कि हालांकि, एमओएचयूए ने इन प्रस्तावों को नामंजूर कर दिया। उन्होंने संबंधित फैसले को लेकर अपनी सरकार की निराशा और पीड़ा जाहिर की। मुख्यमंत्री ने कहा, इस फैसले से दोनों शहर के लोगों में भारी नाराजगी पैदा हो गई है कि अन्य राज्यों में ऐसी परियोजनाओं को मंजूरी दे दी गई, लेकिन उनकी वैध जरूरतों को खारिज कर दिया गया।

स्टालिन ने याद दिलाया कि जब वह इस साल 24 मई और 26 जुलाई को प्रधानमंत्री से मिले थे, तब उन्होंने इन परियोजनाओं के बारे में उन्हें व्यक्तिगत रूप से बताया था और प्राथमिकता अनुरोधों पर एक ज्ञापन भी पेश किया था। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि वह आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय को इन प्रस्तावों को नामंजूर करने के फैसले पर पुनर्विचार करने का निर्देश दें।

स्टालिन ने कहा, मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय को प्रस्तावों को लौटाने के फैसले पर पुनर्विचार करने का निर्देश दें... अगर जरूरी हो तो मैं नयी दिल्ली में अपनी टीम के साथ आपसे मिलकर आपको विस्तार से मुद्दों से अवगत कराने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा, चूंकि, ये दोनों परियोजनाएं तमिलनाडु के औद्योगिक और सांस्कृतिक केंद्रों की आकांक्षाओं से जुड़ी हुई हैं, इसलिए मैं इस मुद्दे पर आपके व्यक्तिगत हस्तक्षेप की आशा करता हूं।

स्टालिन ने परियोजनाओं को नामंजूर करने के लिए आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय की ओर से गिनाए गए कथित कारणों को अनुचित करार दिया। खबरों के अनुसार, मेट्रो रेल नीति 2017 में 20 लाख की आबादी के मानदंड को अस्वीकृति के मुख्य कारणों में से एक बताया गया है। स्टालिन ने कहा, मैं इस बात का उल्लेख करना चाहता हूं कि कोयंबटूर एलपीए (स्थानीय योजना प्राधिकरण) क्षेत्र की आबादी 2011 में ही 20 लाख से अधिक हो गई थी। वहीं, मदुरै के मामले में भी अपेक्षित जनसंख्या अब इससे अधिक होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि इस समय यह रेखांकित करना उचित होगा कि अगर 20 लाख का मानदंड समान रूप से लागू किया गया होता, तो आगरा, इंदौर और पटना जैसे टियर-2 शहरों में कई मेट्रो परियोजनाएं साकार नहीं हो पातीं।

स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु से जुड़े प्रस्तावों पर इस मानदंड को भेदभावपूर्ण रूप से लागू किए जाने से लोगों में यह भावना पैदा हुई है कि हमारे शहरों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह तमिलनाडु के शहरों को ऊपर गिनाए गए शहरों के समान मानकर इस धारणा को दूर करे।

पूर्व विधायक अनवर के कथित ऋण हेराफेरी मामले की जांच में वित्तीय अनियमितताएं उजागर : ईडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम/भाषा। केरल के पूर्व विधायक पी वी अनवर द्वारा कथित ऋण हेराफेरी के मामले की जांच में वित्तीय अनियमितताओं का पता लगाया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। ईडी ने शुक्रवार को अनवर के आवासों और व्यापारिक परिसरों पर छापे मारे थे। ईडी 2015 में केरल वित्तीय निगम (केएफसी) द्वारा 'मलमकुलम कंस्ट्रक्शन्स' को दिये गये 7.5 करोड़ रुपये के ऋण मामले की जांच कर रहा है।

ईडी के एक बयान में कहा गया है कि बाद में, उन्हीं 'कोलेटरल' संपत्तियों का इस्तेमाल करते हुए, थोड़े अंतराल के भीतर पी वी आर डेवलपर्स को 3.05 करोड़ रुपये और 1.56 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए जिसके परिणामस्वरूप कुल एनपीए लगभग 22.3 करोड़ रुपये का हो गया।

'कोलेटरल' संपत्ति वह संपत्ति है जिसे उधारकर्ता ऋणदाता को ऋण के लिए सुरक्षा के रूप में देता है। यदि उधारकर्ता ऋण चुकाने में विफल रहता है, तो ऋणदाता इस संपत्ति को जब्त करके अपने नुकसान की भरपाई कर सकता है। बयान में कहा गया है कि विभिन्न व्यक्तियों के नाम पर रखे गए 15 बैंक खातों की पहचान की गई है, जो कथित तौर पर बेनामी हैं और जिनसे संदिग्ध लेन-देन हुआ है। ईडी के अनुसार, प्रारंभिक साक्ष्य स्वीकृत निधियों के दुरुपयोग, नाममात्र शेयरधारकों और निदेशकों के इस्तेमाल और संपत्ति के संदिग्ध बेनामी स्वामित्व का संकेत देते हैं।

ईडी ने कहा, ''छापेमारी के दौरान, अनवर ने स्वीकार किया कि वह 'मलमकुलम कंस्ट्रक्शन्स' का असली लाभार्थी मालिक है, जबकि कंपनी उसके भतीजों और चालक के नाम पर थी। उसने पुष्टि की कि ऋण राशि का उपयोग बड़े टाउनशिप प्रोजेक्ट पी वी आर (पीवीआर) मेट्रो विलेज के लिए किया गया था।''

ईडी के अनुसार कार्रवाई के दौरान केएफसी अधिकारियों के बयानों से प्रक्रियागत चूक और बाद के ऋणों के लिए उसी संपार्श्विक का पुनः उपयोग करने का पता चला।

इंफोसिस फाउंडेशन ने 'आरोहण सोशल इनोवेशन अवॉर्ड्स 2025' के विजेताओं की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इंफोसिस फाउंडेशन' ने शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और पर्यावरणीय स्थिरता के क्षेत्र में उत्कृष्ट नवोन्मेष करने वालों को सम्मानित करते हुए आरोहण सोशल इनोवेशन अवॉर्ड्स 2025' के चौथे संस्करण के विजेताओं की घोषणा की है। फाउंडेशन ने शुक्रवार को बताया कि एक प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल ने 2,000 से अधिक प्रविष्टियों में से विजेताओं का चयन प्रौद्योगिकी, रचनात्मकता और करुणा के माध्यम से समाज को प्रभावित करने के फाउंडेशन के मिशन के अनुरूप प्रमुख क्षेत्रों को केंद्र में रखकर किया। फाउंडेशन ने एक बयान में कहा कि प्रत्येक श्रेणी के विजेता को उनकी प्रभावशाली नवोन्मेष परियोजना के लिए 50 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया।

शिक्षा श्रेणी में यह पुरस्कार बेंगलूरु के राजेश ए. राव, रवींद्र एस. राव और दीपा एल. बी. राजीव को 'कनेक्टिंग द डॉट्स' के लिए दिया गया। यह 'एक इंटरैक्टिव लर्निंग प्रोग्राम' है जिसे सरकारी विद्यालयों के छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित विषयों एवं बोलचाल की अंग्रेजी सिखाने के लिए विकसित किया गया है। स्वास्थ्य श्रेणी में दिल्ली निवासी चित्रंजन सिंह और रॉबिन सिंह को पानी की गुणवत्ता की जांच करने वाला उपकरण सीएलयूआईएक्स सीओ12' विकसित करने के लिए पुरस्कृत किया गया। पर्यावरणीय स्थिरता श्रेणी में पुणे के राहुल सुरेश बकारे और विनीत मोरेश्वर फडनीस ने बोरचार्जर' के लिए पुरस्कार जीता। निर्णायक मंडल ने पांच अन्य सामाजिक नवोन्मेषों को भी मान्यता दी और उन्हें बनाने वालों को 10-10 लाख रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की।

बेंगलूरु में 7.11 करोड़ रुपये की लूट के मामले में पुलिस कांस्टेबल समेत तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने शनिवार को बताया कि शहर में 7.11 करोड़ रुपये की लूट के सिलसिले में एक पुलिस कांस्टेबल समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अब तक 5.76 करोड़ रुपये बरामद किए जा चुके हैं और शेष राशि का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

सिंह ने कहा, ''हमने 11 टीम गठित की थीं और इस काम के लिए 200 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को तैनात किया था। पूछताछ 30 से अधिक लोगों से की गई और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है।''

उन्होंने बताया कि ''वाहन प्रभारी, सीएमएस इन्फोसिस्टम्स के एक पूर्व कर्मचारी और गोविंदपुरा पुलिस थाने में तैनात एक कांस्टेबल को गिरफ्तार किया गया है।'' पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में कांस्टेबल अन्नप्पा नाईक, सीएमएस इन्फो सिस्टम का पूर्व कर्मचारी जेवियर और वाहन प्रभारी गोपी शामिल है।

उन्होंने बताया कि घटना में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए सभी दक्षिणी राज्यों और गोवा में छह टीम भेजी गई थीं। अधिकारी के अनुसार, गिरोह ने तीन महीने पहले चोरी की साजिश रची थी। उन्होंने नकद ले जाने वाली वैन के रास्ते का मुआयना किया और वारदात को अंजाम देने के लिए बिना सीसीटीवी कैमरा वाले स्थान का चयन किया।

पुलिस ने बताया कि 19 नवंबर को अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर खुद को आरबीआई अधिकारी बताकर एटीएम तक पैसा पहुंचाने वाली नकद रुपये से भरी वैन को रोका और करीब सात करोड़ रुपये लेकर फरार हो गए। यह घटना उस समय हुई जब सीएमएस इन्फो सिस्टम का वाहन जेपी नगर स्थित एक बैंक शाखा से नकदी लेकर जा रहा था।

आरोपी भारत सरकार के स्टिकर लगी एक कार में आए, दस्तावेजों का सत्यापन करने का दावा करते हुए वैन को रोक लिया और कर्मचारियों को नकदी सहित जबरन अपनी गाड़ी में बिठा लिया। बाद में उन्होंने कर्मचारियों को डेरी सर्कल के पास छोड़ दिया और पैसे लेकर फरार हो गए।

सनसनीखेज चोरी का खुलासा करने वाली पुलिस टीम की सराहना करते हुए सिंह ने कहा कि 54 घंटों के भीतर तीनों आरोपियों की पहचान कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने कहा कि 60 घंटों के भीतर 5.76 करोड़ रुपये बरामद कर लिए गए और अपराध में इस्तेमाल की गई एक गाड़ी का पता लगाकर उसे जब्त कर लिया गया।

उन्होंने बताया कि गिरोह में लगभग छह से आठ लोगों के शामिल होने का अनुमान है, जो साजिश रचने और वारदात को अंजाम देने में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में शामिल अन्य लोगों की तलाश जारी है।

बेंगलूरु में भाई ने की व्यक्ति की हत्या, तीन आरोपी गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु में 24 वर्षीय एक व्यक्ति की उसके बड़े भाई और दो अन्य लोगों ने कार के अंदर कथित तौर पर हत्या कर दी और उसके शव को शहर के बाहरी इलाके में बन्नेरघट्टा-कग्गलीपुरा रोड पर फेंक दिया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित धनराज कलबुर्गी जिले के अलंद तालुक का रहने वाला था, जहां वह अपने माता-पिता के साथ रहता था। पुलिस ने बताया कि मामले में तीन आरोपियों पीड़िता के बड़े भाई शिवराज (28), उसके दोस्त संदीप (24) और प्रशांत (26) को गिरफ्तार कर लिया गया है। अधिकारी ने बताया कि छह नवंबर को सड़ी-गली लाश मिली थी।

निविदा संदर्भ सं.: एचआईएल/यूडीएल/आरईएल/1/2025-26, दि. 18.11.2025

एचआईएल (इंडिया) लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम)
स्कोप कॉम्प्लेक्स, कोर-6, द्वितीय तल,
7 लोधी रोड, नई दिल्ली-110003
वेबसाइट - www.hil.gov.in

PROTECT TO PROSPER

वेबसाइट https://hil.abcprocure.com/EPROC और सीपीपी पोर्टल के ज़रिए ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित हैं।

विवरण	बयाना राशि जमा ₹
'उद्योगमंडल यूनिट से रसायनी यूनिट तक पेंडिमेथालिन, ग्लाइफोसेट, मैन्कोज़ेब और हिलगोल्ड प्लांट्स की डिस्मेंटलिंग करने, पैकेजिंग करने, ट्रांसपोर्ट करने और स्थानांतरण' के लिए निविदा, इवेंट आईडी नं. 58428, निविदा की अंतिम तिथि 02.12.2025 को 14:00 बजे तक है।	₹. 5,00,000/-

इच्छुक बोलीकर्ता हमारी वेबसाइट www.hil.gov.in से विस्तृत जानकारी डाउनलोड कर सकते हैं।

यदि कोई संशोधन जारी किया जाता है तो वह उपर्युक्त वेबसाइटों पर उपलब्ध होगा।

CBC 02111/11/0004/2526

कांग्रेस ने जीवन पर्यंत बांटने और तोड़ने की राजनीति की : गजेंद्र सिंह शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर विपक्ष के सवालों पर करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग संविधान में मिले अधिकारों के तहत इस कार्य को पूरा कर रहा है। गजेंद्र सिंह शेखावत ने जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में कहा, निष्पक्ष और सुचिता के साथ चुनाव हो व मतदाता सूची का समय पर पुनरीक्षण होता रहे, यह सब जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की है। संविधान में मिले अधिकारों के तहत निर्वाचन आयोग इस कार्य को पूरा करता है। इसी तरह देश में अनेक बार मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण हुआ है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस पार्टी और इसके मुखिया महाराष्ट्र चुनाव के बाद खुद आरोप लगा रहे थे कि मतदाता सूची में नामों में गड़बड़ी है। वे कभी हाइड्रोजन बम तो कभी एटम बम के नाम पर तमाम दावे करते रहे। जब एसआईआर प्रक्रिया शुरू हुई है तो वे इस पर भी राजनीति कर रहे हैं। लेकिन बिहार चुनाव के बाद जनता ने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि देश में बांटने, तोड़ने और दुर्व्यहार की राजनीति नहीं चलेगी। सिर्फ विकास और देश को विकसित करने के लिए प्रेरित राजनीति चलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसी को समझ नहीं आता है कि कई राज्यों में चुनाव बाकी हैं। मुझे लगता है कि बंगाल जैसे अन्य राज्यों में आने वाले समय में जनता फिर से जवाब देगी।

सिर्फ 12 राज्यों में ही एसआईआर को लेकर उठे सवालों पर गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा, एसआईआर प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में कराई जानी है। अभी यह प्रक्रिया 12 राज्यों में चल रही है। इन 12 राज्यों में प्रक्रिया पूरी होने के बाद अन्य राज्यों में एसआईआर कराया जाएगा। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने अपने अस्तित्व से लेकर अब तक हमेशा अपना हर कदम राजनीति और सत्ता से प्रेरित होकर रखा। उन्होंने कहा, वंदे मातरम गीत को भी कुछ लोगों ने अपनी सत्ता और कुर्सी के लिए बांटने का पाप किया। उसी पाप के साथ देश के विभाजन की नींव रखी गई थी।

उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी ने जीवन पर्यंत बांटने और देश को तोड़ने की राजनीति की। अपने राजनीतिक स्वार्थ को सर्वोपरि रखते हुए सभी निर्णय लिए। इसके अलावा कांग्रेस और कुछ सोच सकती है, बिल्कुल भी संभावना नहीं लगती है।

उदयपुर में प्रवासी उद्योगपति की बेटी की शादी, संगीत में शामिल हुईं कई हस्तियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। अमेरिकी उद्योगपति राजू रामलिंगा मंटेना की बेटी नेत्रा मंटेना की शादी के कार्यक्रम झीलों की नगरी उदयपुर में शुरू हो गए हैं, जहां शुक्रवार रात सिटी पैलेस के माणक चौक में 'संगीत सेरेमनी' में कई बॉलीवुड कलाकार शामिल हुए। मिली जानकारी के अनुसार इस कार्यक्रम की मेजबानी करण जौहर और सोफी चौधरी ने की। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद लोगों के मुताबिक अभिनेता रणवीर सिंह ने अपनी परफॉर्मेंस से भीड़ में जोश भर दिया। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप जूनियर और उनकी गर्लफ्रेंड को भी डांस फ्लोर पर आने का आग्रह किया।

अभिनेत्री कृति सेनन ने अपने हिट गाने 'परम सुंदरी' पर परफॉर्म किया, जबकि जैकलीन फर्नांडीज ने 'लाल छड़ी' पर डांस किया। इस विवाह कार्यक्रम के प्रबंधन से जुड़ी फर्म के मुताबिक वरुण धवन और शाहिद कपूर ने भी प्रस्तुति दी। नेत्रा मंटेना की शादी भारतीय मूल के वामसी गडिराजू से हो रही है। विवाह समारोह के कार्यक्रम 21 नवंबर से 24 नवंबर तक चलेंगे। जानकारी के अनुसार समारोह में संगीत की दुनिया में जाना पहचाना नाम जेनिफर लोपेज और दक्षिण अफ्रीका के डीजे-प्रोड्यूसर ब्लैक कॉफी भी अपने कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। 'डच डीजे-प्रोड्यूसर टिएस्टो' ने बृहस्पतिवार रात 'द लीला पैलेस' में प्रस्तुति दी। पारंपरिक राजस्थानी नृत्य समूह और मांगणियार कलाकारों ने भी प्रस्तुति दी। शादी के विभिन्न कार्यक्रम उदयपुर सिटी पैलेस के माणक चौक तथा जनाना महल के साथ-साथ जगमंदिर और द लीला पैलेस होटल में होने हैं। इस शादी के लिए 'द लीला पैलेस' होटल को मेहमानों के स्वागत के लिए शानदार लाल 'थीम' पर सजाया गया है। मेहराबों से पुष्प गुच्छ लटके हुए हैं और इसे शाही दरबार जैसा रूप देने के लिए बड़े-बड़े झूमर लगाए गए हैं। बैठने की जगह पर खूबसूरत 'कुशन' और सुनहरे लैंप वाले लाल सोफे हैं। दूसरी जगहों को भी शानदार ढंग से सजाया जा रहा है।

विवाह समारोह में कई बड़ी हस्तियों के शामिल होने के मद्देनजर शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। शहर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। कार्यक्रम के अनुसार शादी की हल्दी की रस्म 22 नवंबर को होगी और इसके बाद 23 नवंबर की सुबह जगमंदिर में विवाह समारोह होगा और उसी शाम प्रीतिभोज होगा।

डूंगरी बांध से मात्र 16 गांवों की आबादी प्रभावित होगी : मीणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के तीन मंत्रियों ने प्रस्तावित डूंगरी बांध को लेकर करौली और सवाई माधोपुर के कई गांवों के लोगों में नाराजगी के बीच शुक्रवार को साफ किया कि इस परियोजना से सिर्फ 16 गांव प्रभावित होंगे। मंत्रियों ने इस दावे को खारिज कर दिया कि 70 से ज्यादा गांव डूब क्षेत्र में आएंगे। इस मुद्दे को लेकर कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने यहां सचिवालय में संवाददाता सम्मेलन किया।

मंत्रियों ने कहा कि डूंगरी बांध संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है और इस बांध के निर्माण से मुख्यतः सवाई माधोपुर और करौली की 1 लाख 25 हजार हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के लिए पानी और लोगों को भरपूर पेयजल मिलेगा।

मीणा ने कहा कि यह बांध संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना के तहत बनाया जाना है, इससे मात्र 16 गांवों की आबादी ही डूब क्षेत्र से प्रभावित होगी जबकि यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि 76 गांव प्रभावित होंगे।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार परियोजना से विस्थापित होने वाले परिवारों के पुनर्वास को लेकर गंभीर है और उन्हें नियमानुसार मुआवजा प्रदान करते हुए विभिन्न सुविधाओं के साथ नजदीक ही बसाया जाएगा। जल संसाधन मंत्री रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों के लिए संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना का उद्घाटन किया था और मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार इसे जल्द से जल्द क्रियान्वित करने के लिए संकल्पित है।

उन्होंने कहा कि इसी दिशा में यह बांध महत्वपूर्ण कड़ी है और बांध निर्माण से कालीसिंध, पार्वती और चम्बल से समुद्र में व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी को रोका जा सकेगा। गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने कहा कि इस परियोजना की सफलता को रोकने के लिए कुछ लोग भ्रम फैला रहे हैं। न्होंने लोगों से गुमराह न होने की अपील की और राज्य हित में बनाए जा रहे बांध के निर्माण में सहयोग प्रदान करने का आह्वान किया।

राजस्थान में 48 आईएएस अधिकारियों के तबादले

जयपुर। राजस्थान सरकार ने शुक्रवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 48 अधिकारियों का तबादला कर दिया। इसके तहत वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अखिल अरोड़ा को मुख्यमंत्री का अतिरिक्त मुख्य सचिव (एसीएस) नियुक्त किया गया है। कार्मिक विभाग ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया। इसके तहत जन स्वास्थ्य विभाग अभियांत्रिकी के अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा अब अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) पद पर काम करेंगे। हालांकि उनके पास अपने मौजूदा पद का कार्यभार भी रहेगा। अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल को अतिरिक्त मुख्य सचिव (उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) बनाया गया है। उनके पास इसके अलावा भी कई पदभार रहेंगे जिनमें 'रीको' का अध्यक्ष पद भी शामिल है। सार्वजनिक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता को उनके मौजूदा पद के साथ साथ अतिरिक्त मुख्य सचिव , अध्यक्ष सहित कई अन्य पद का कार्यभार सौंपा गया है। आदेश के तहत नलिनी कठोतिया को भरतपुर में संभागीय आयुक्त और अनिल अग्रवाल को कोटा में संभागीय आयुक्त पद पर नियुक्त किया गया है। सूची में नवीन जैन, डॉ रविकुमार सुरपुर, अंबरीश कुमार व जोगाराम के नाम भी शामिल हैं। इससे पहले भारतीय वन सेवा के 33 अधिकारियों के तबादले कर दिए गए थे।

सड़क हादसों में जीवन रक्षा के लिए जल्द बनेगा प्रभावी एक्शन प्लान : श्रीनिवासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम एवं सड़क हादसों में जीवन रक्षा के लिए एक प्रभावी एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। ट्रॉमा केयर पॉलिसी बनाई जाएगी एवं लेवल-1 एवं लेवल-2 ट्रोमा सेंटर्स का मिशन मोड में सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। राज्य सरकार जल्द ही इसके लिए पूरा रोड मैप तैयार करेगी, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को न्यूनतम किया जा सके। मुख्य सचिव श्री वी श्रीनिवास ने शनिवार को सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर के निरीक्षण के दौरान इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी के दिशा-निर्देशानुसार प्रदेश में सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी पहलुओं पर गहन अध्ययन एवं निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इस रिपोर्ट के आधार एक प्रभावी एक्शन प्लान तैयार कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेशभर में सड़क हादसों के दौरान त्वरित उपचार उपलब्ध करवाने के लिए ट्रोमा सेंटर्स में सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। ट्रोमा सेंटर्स में पर्याप्त संख्या में आईसीयू बेड्स, जीवन रक्षक उपकरण, जांच एवं दवाओं की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, रोगी भार के अनुपात में पूर्णतः प्रशिक्षित चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ की उपलब्धता के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने इस संबंध में अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए।

मुख्य सचिव ने ट्रोमा सेंटर में आपातकालीन कक्ष, आईसीयू एवं वार्ड में जाकर उपलब्ध सुविधाओं और उपचार की प्रक्रिया को बारीकी से देखा और रोगियों एवं उनके परिजनों से भी संवाद कर फीडबैक लिया। साथ ही, ट्रोमा सेंटर में संचालित बीएलएस ट्रेनिंग सेंटर का भी निरीक्षण किया तथा यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागियों से संवाद किया। मुख्य सचिव ने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल का ट्रोमा सेंटर लेवल-1 श्रेणी का है।

यहां के प्रशिक्षण केंद्र में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ सहित अन्य व्यक्तियों को प्रभावी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस ट्रोमा सेंटर सहित देशभर में सड़क सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के लिए अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेज को प्रदेशभर में लागू किया जाएगा। प्रदेश के अन्य ट्रोमा सेंटर्स को भी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने के प्रयास किए जाएंगे, ताकि गोल्डन ऑवर्स में घायलों का जीवन बचाया जाना और अधिक सुगम हो सके।

निरीक्षण के उपरांत मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ बैठक कर एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में मरीज भार, उपलब्ध संसाधनों एवं मानव संसाधन के बारे में विस्तार से जानकारी ली। साथ ही, प्रदेश के अन्य ट्रोमा सेंटर्स की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा श्रीमती गायत्री राठौड़ ने ट्रोमा सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यहां संचालित स्किल लैब देश की ऐसी पहली लैब है, जहां सड़क दुर्घटना के दौरान घायलों को बेसिक लाइफ सपोर्ट देने का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। अब तक यहां पर 8 हजार से ज्यादा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, ताकि वे आपातकाल के शुरुआती चरणों में सहायता कर सकें। उन्होंने बताया कि 2500 से ज्यादा डॉक्टर तथा नर्सिंग ऑफिसर को भो इसकी ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

स्वागत

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने शनिवार को उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन के सादड़ी पहुंचने पर उनकी अगवानी की। राज्यपाल बागड़े ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका भावभरा स्वागत किया।

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत का भाजपाइयों ने किया स्वागत

भीलवाड़ा। कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल थावरचंद गहलोत के अल्प प्रवास पर भीलवाड़ा आगमन पर स्थानीय सर्किट हाउस में स्वायत शासन एवं नगरीय विकास मंत्री झाबरसिंह खर्रा, सांसद दामोदर अग्रवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, महापौर राकेश पाठक के नेतृत्व में भाजपाइयों ने भव्य स्वागत, अभिनंदन किया।

जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि रणकपुर से नागदा जाते समय अल्प प्रवास पर भीलवाड़ा सर्किट हाउस में रुके कर्नाटक के महामहिम राज्यपाल थावरचंद गहलोत से जनप्रतिनिधियों एवं भाजपा पदाधिकारियों ने परिचय के साथ मुलाकात की और उपरणा ओढ़ाकर एवं बुके भेंट कर स्वागत किया।

चुनाव आयोग का रवैया शुरू से ठीक नहीं रहा : अशोक गहलोत

जोधपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश में चल रही एसआईआर कार्रवाई और चुनाव आयोग के रवैये पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि लोकतंत्र का संपूर्ण ढांचा चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर आधारित है, परंतु आयोग ने शुरुआत से ही संतोषजनक भूमिका नहीं निभाई। गहलोत ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी द्वारा 1,02,250 फर्जी वोट चिन्हित किए जाने की शिकायत के बाद भी आयोग ने पारदर्शिता नहीं दिखाई। उन्होंने कहा राहुल गांधी ने डुप्लीकेट वोटों की जानकारी दी, पर आयोग ने जांच करने के बजाय उल्टे बयान देने शुरू कर दिए। राजस्थान में योजनाएँ रोकी गईं, बिहार में चालू रहीं गहलोत ने कहा कि चुनाव के दौरान राजस्थान में सामाजिक सुरक्षा, मोबाइल, पेंशन और खाद्यान्न किट जैसी योजनाएँ रोक दी गईं, जबकि बिहार चुनाव के दौरान वहां पेंशन एवं अन्य योजनाएं मतदान तक चलती रहीं। यह दोहरा रवैया अविश्वास पैदा करता है। गहलोत एसआईआर कार्रवाई पर सवालयूपी में क्यों नहीं? गहलोत ने कहा कि जब एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, तब 12 राज्यों में कार्रवाई शुरू करना संदेह पैदा करता है। अगर देशभर में कार्रवाई करनी है तो उत्तर प्रदेश में क्यों नहीं की? सुप्रीम कोर्ट का मामला चल रहा है, इंतजार करना चाहिए था। इसी अविश्वास ने 'वोट चोर, गद्दी छोड़' जैसे नारे उभरने को मजबूर किया पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता के भीतर पैदा हुए संदेह और असंतोष के कारण ऐसे नारे उभरे। जब संस्थाओं पर भरोसा टूटता है।

माइनिंग गतिविधियों से जुड़े मोबाइल एप और तैयार मॉड्यूल्स सेसंबंधित शतप्रतिशत कार्य 15 दिसंबर से ऑनलाइन करने होंगे : टी. रविकान्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। प्रदेश के खान विभाग में 15 दिसंबर से माइनिंग गतिविधियों से जुड़े ऑनलाईन माड्यूल्स, मोबाइल एप से संबंधित सभी कार्य पेपरलेस होंगे। खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रचलित मॉड्यूल्स पर विभागीय अधिकारियों को ऑनलाईन ही काम करना होगा। एक दिसंबर से इसकी मोनेटरिंग शुरु कर दी जाएगी और 15 दिसंबर के बाद इन मॉड्यूल्स पर ऑफलाइन कार्य पर पूरी तरह से रोक होगी। प्रमुख सचिव खान टी. रविकान्त शनिवार को कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा व बीकानेर वृत के सभी अधीक्षण खनि अभियंता, खनि अभियंता, सहायक खनि अभियंता व सूचना सहायकों के ओरियंटेशन कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा पंचनामा और निरीक्षण के मोबाईल एप, वेबसाइट के साथ ही 14 मॉड्यूल्स तैयार किए गये हैं। इनमें से दोनों मोबाइल एप व 14 में से अधिकांश मॉड्यूल्स उपयोग में होने के बावजूद ऑफलाइन कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि ई रवन्ना, ई पेमेंट, कॉन्ट्रेक्टर रजिस्ट्रेशन, एलआईएस, माइनिंग प्लान, विभागीय बकाया, नो-ड्यूज, डिमान्ड मॉड्यूल आदि आदि मॉड्यूल्स, एप आदि का उपयोग सुनिश्चित होने से विभागीय कार्यों में पारदर्शिता, निष्पादन में तेजी, स्टेकहोल्डर्स को ऑनलाईन सुविधा के साथ ही विभागीय कार्य पेपरलेस व संबंधित लोगों को विभाग के अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि इससे कार्य में पारदर्शिता के साथ ही अनावश्यक दबाव भी दो चार नहीं होना पड़ेगा। रविकान्त ने कहा कि माइंस विभाग के अधिकारी तकनीकी रुप से सक्षम होने के साथ ही तैयार मॉड्यूल्स व एप का उपयोग सहज है। ऐसे में अधिकारियों को आगे आकर ऑनलाईन सेवाओं को अपनाना होगा।

निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा ने बताया कि दो दिवसीय ओरियंटेशन कार्यशालाओं में पहले दिन जयपुर और रविवार को शेष वृत के अधिकारियों को उदयपुर में विस्तार से जानकारी दी जाएगी।

जलवायु, प्रौद्योगिकी की चुनौतियों से निटपने को वैश्विक न्याय व्यवस्था में सुधार जरूरी : जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि समुद्री खनन, अंतरिक्ष मलबे, कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए ''न्यायिक नेतृत्व'' और ''वैश्विक न्याय व्यवस्था'' तत्काल बड़े बदलाव की आवश्यकता है।

मंत्री ने कहा कि चार जरूरी बदलाव किए जाने चाहिए जिनमें अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण कानूनों को मजबूत करना, नई प्रौद्योगिकियों के लिए युक्तिसंगत नियम बनाना, पुराने कानूनों को समय के हिसाब से बदलना और न्यायिक दृष्टिकोण में आने वाली पीढ़ियों के हितों को शामिल करना शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री शनिवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के 'सिटी मांटेसरी स्कूल' (सीएमएस) में दुनिया के मुख्य न्यायाधीशों के 26वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला भी शामिल हुए।

सिंह ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण कानून अब अलग-थलग काम नहीं कर सकता, क्योंकि आज देश जलवायु परिवर्तन से लेकर समुद्र के बिगड़ते हालात जैसी ''आपस में जुड़ी हुई समस्याओं'' का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कृत्रिम मेधा, क्वांटम कंप्यूटिंग और ऑटोमेशन जैसी नई प्रौद्योगिकियों को नियंत्रित करने के लिए नियमों की जरूरत पर जोर दिया। सिंह ने कहा कि समाज को अपने ऊपर नियंत्रण रखना होगा और यह समझना होगा कि सीमाएं कहां तक हैं।

अंतरिक्ष मलबे और साइबर खतरों जैसे मुद्दों का जिक्र करते हुए सिंह ने कहा कि आज अदालतों के सामने आने वाले कई मामले ऐसे हैं जिनकी दो दशक पहले कल्पना भी नहीं की गई थी, लेकिन अब न्यायाधीशों को बिना स्पष्ट कानूनों के ही इन पर निर्णय लेना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसलिए कानूनी ढांचे को मौजूदा हालात के अनुसार तुरंत बदलने की जरूरत है।

मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि न्याय व्यवस्था में पीढ़ियों के बीच समानता को शामिल करना बेहद जरूरी है, क्योंकि आज के मुद्दों पर लिए गए न्यायिक फैसलों का असर आने वाली पीढ़ियों तक पड़ता है। उन्होंने कहा, किसी फैसले का असर अगली पीढ़ी को महसूस होगा। जलवायु परिवर्तन और अंतरिक्ष से जुड़े मुद्दे हमसे भी ज्यादा समय तक रहेंगे।

सिंह ने कहा कि आज के न्यायविद कानूनी व्याख्या, वैज्ञानिक समझ और नैतिक जिम्मेदारी इन तीनों के संगम पर काम कर रहे हैं, यानी उन्हें फैसले लेते समय इन तीनों पहलुओं को संतुलित करना पड़ता है। उन्होंने कहा, आप सब कुछ बदल सकते हैं लेकिन ईमानदारी का कोई विकल्प नहीं हो सकता।''

सिंह ने यह भी कहा कि 'एआई टूल्स' का सही इस्तेमाल भी निजता बनाम निगरानी और आजादी बनाम राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विरोधाभासों के बीच बहुत ज्यादा ईमानदारी की मांग करता है।

नई प्रौद्योगिकियों से पैदा हुई चुनौतियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कृत्रिम मेधा और 'मशीन लर्निंग' इंसानी सोच को इस हद तक प्रभावित कर रही हैं कि बच्चों को भी शायद यह पता नहीं चलता कि उनकी सोच किस तरह बदली जा रही है।

'मियां' एकजुट होकर वोट करते हैं, जबकि 'हमारे मत' बिखरे हुए हैं : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को दावा किया कि 'मियां' एकजुट होकर वोट डालते हैं, जिसकी वजह से वे 'राजनीतिक रूप से मजबूत रहते हैं', जबकि 'हमारे लोगों' के वोट बिखरे हुए हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि निचले असम अर्थात ब्रह्मपुत्र घाटी के पश्चिमी हिस्से के जिलों से अवैध रूप से बसने वालों को 'और आगे बढ़ने से रोकने' के लिए उन पर लगातार 'दबाव' बनाए रखना होगा।

शर्मा ने विभिन्न कार्यक्रमों के इतर संवाददाताओं से कहा, ''मियां लोग एक साथ, एकमुश्त वोट करते हैं। इसलिए वे राजनीतिक रूप से आगे बढ़ रहे हैं। हमारे वोट बिखरे हुए हैं। इसलिए मैं हमारे लोगों से कहता हूं कि एकजुट होकर वोट करें, चाहे किसी भी पार्टी या व्यक्ति के पक्ष में क्यों न हो।''

'मियां' मूल रूप से असम में बांग्ला-भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक अपमानजनक शब्द है, और गैर-बांग्लाभाषी लोग आमतौर पर उन्हें बांग्लादेशी घुसपैठिया मानते हैं। हाल के वर्षों में समुदाय के कार्यकर्ताओं ने प्रतिरोध के रूप में इस शब्द को अपनाना शुरू कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने राज्य के कई हिस्सों में बांग्ला-भाषी मुसलमानों के बहुसंख्यक हो जाने की ओर परोक्ष रूप से इशारा करते हुए कहा, '' निचले असम को उनसे वापस नहीं लिया जा सकता। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वे आगे न बढ़ सकें। हमें उन पर दबाव बनाए रखना होगा और ऐसी परिस्थितियां पैदा करनी होंगी कि भले ही आज नहीं, लेकिन 1015 वर्षों में वे यहां से जाने को मजबूर हो जाएं।''

शर्मा ने कांग्रेस पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी उन लोगों की समस्याएं हल करने में नाकाम रही है, जिन्होंने वर्षों तक उसे वोट दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''कांग्रेस यहां 60 साल तक सत्ता में रही। वे ज़मीन का 'पट्टा' दे सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया।'' उनका सदंर्भ जंगल और अन्य सरकारी ज़मीनों पर बड़े पैमाने पर हुए अतिक्रमण की ओर था, जो कथित तौर पर बांग्लाभाषी मुसलमानों द्वारा किया गया है।

शर्मा ने कहा, ''वे जंगल और अन्य सरकारी जमीनों पर रह रहे थे। अगर उन्हें उन क्षेत्रों से हटाकर कहीं और बसाया जाता और उन्हें ज़मीन के अधिकार दिए जाते, तो अब बेदखली की जरूरत नहीं पड़ती। उन्होंने कांग्रेस को वोट दिया, लेकिन पार्टी ने उनके लिए काम नहीं किया। वे निश्चित रूप से पार्टी से सवाल पूछेंगे।''

भाजपा, निर्वाचन आयोग सपा के जीते हर विधानसभा क्षेत्र में वोट काटने की कर रहे साजिश : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार और निर्वाचन आयोग मिलकर साजिश के तहत उन विधानसभा क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बहाने 50 हजार से अधिक वोट काटने की तैयारी कर रहे हैं, जहां 2024 में लोकसभा चुनाव में सपा और 'इंडिया' गठबंधन जीते थे।

सपा मुख्यालय में अपने पिता एवं पार्टी संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह यादव की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने दावा किया कि यह जानकारी मिली है कि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भाजपा ने निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर बड़ी ''तैयारी'' की है। उन्होंने आयोग से मांग की कि उत्तर प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया के लिए समय और बढ़ाया जाए।

आंकड़ों के अनुसार, 2022 के विधानसभा चुनाव में 255 सीटें जीतने वाली भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में सिर्फ 162 विधानसभा सीटों पर ही बढ़त मिली जबकि विधानसभा चुनावों में 111 सीट जीतने वाली सपा ने लोकसभा चुनाव में 183 विधानसभा सीटों पर सर्वाधिक मत पाने का रिकॉर्ड बनाया। तब 2022 में सिर्फ दो सीट जीतने वाली कांग्रेस ने भी लोकसभा चुनावों में 40 विधानसभा सीटों पर बढ़त बनायी। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग जब मुद्दों पर और जनता के बीच हारने लगे, तो साजिशन एसआईआर ले आये।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''निर्वाचन आयोग से हम अपेक्षा करते हैं कि वह निष्पक्ष रहेगा और यह संस्था हमारी हर शिकायत का निराकरण करेगी, लेकिन यह सुनने में आ रहा है कि भाजपा और आयोग 2024 की हार के बाद सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल और उप्र पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा सरकार, निर्वाचन आयोग मिलकर यह तैयारी कर रहे हैं कि 2024 के जिन विधानसभा क्षेत्रों में समाजवादी पार्टी जीती है, 'इंडिया' गठबंधन जीता है, उन विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर के बहाने 50 हजार से ज्यादा वोट काट दिया जाए।''

भाजपा ने ममता पर 'तुष्टीकरण की राजनीति' करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर आपत्ति जता रही हैं और तुष्टीकरण की राजनीति कर रही हैं, क्योंकि उन्हें अगले साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की हार का अंदेशा है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा कि ममता एसआईआर की प्रक्रिया से ''डरी हुई'' हैं, क्योंकि इससे उन ''घुसपैठियों'' का पर्दाफाश हो जाएगा, जिन्हें सत्तारूढ़ टीएमसी ने राज्य में अपने 'वोट बैंक' के रूप में ''संरक्षण'' दिया है।

माघ मेले में 15 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने की उम्मीद : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को यहां कहा कि प्रयागराज में तीन जनवरी से प्रारंभ हो रहे माघ मेले का दायरा 2024 के मेले की तुलना में बढ़ाया गया है और इस बार मेले में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान करने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने यहां मेला प्राधिकरण के सभागार में समीक्षा बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, ''माघ मेला 2026 की तैयारी प्रारंभ हो गई है। इस बार इसका (माघ मेले का) दायरा 2024 की तुलना में बढ़ाया गया है।'' उन्होंने कहा, ''आमतौर पर देखा गया है कि मेले में 20-25 लाख कल्पवासी एक माह तक यहां प्रवास करते हैं। हमारा अनुमान है कि इस डेढ़ महीने के दौरान प्रयागराज में 12 से 15 करोड़ लोग संगम पर स्नान करेंगे जिसमें प्रतिदिन स्नान करने वाले कल्पवासी शामिल हैं।''

योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''इस बार माघ मेला पंद्रह दिन पहले है। तीन जनवरी को पौष पूर्णिमा है, 15 जनवरी को मकर संक्रांति, 18 जनवरी को मौनी अमावस्या, 23 जनवरी को बसंत पंचमी, पहली फरवरी को माघी पूर्णिमा और 15 फरवरी को महाशिवरात्रि है।'' उन्होंने कहा, ''प्रदेश के सभी विभागों को इस आयोजन से जोड़ा गया है। सिंचाई विभाग यहां जल की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''वहीं बिजली विभाग नियमित बिजली आपूर्ति के साथ ही बिजली की सुरक्षा की भी व्यवस्था करेगा। लोक निर्माण विभाग संपर्क मार्गों के साथ ही सात अस्थायी पुल का निर्माण करेगा।'' उन्होंने कहा कि जल निगम द्वारा पेयजल की 242 किलोमीटर पाइप लाइन बिछाई जाएगी। साथ ही 85 किलोमीटर की सीवर लाइन भी बिछाई जाएगी ताकि एक बूंद भी दूषित जल गंगा या यमुना में ना जाने पाए।

सत्तापक्ष, विपक्ष का उद्देश्य जनकल्याण और राज्य का विकास होना चाहिए : संतोष कुमार गंगवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने शनिवार को कहा कि सत्तारूढ़ दल और विपक्ष, दोनों का लक्ष्य जनकल्याण और राज्य का विकास होना चाहिए। गंगवार ने विधायकों से यह यह सुनिश्चित करने का आग्रह भी किया कि सरकारी योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने रांची में झारखंड विधानसभा के रजत जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा, मेरा मानना है कि लोकतंत्र का सशक्तीकरण स्वस्थ चर्चा से होता है, टकराव से नहीं। सत्तारूढ़ दल और विपक्षदोनों का उद्देश्य जनकल्याण और राज्य का विकास होना चाहिए।

झारखंड विधानसभा 22 नवंबर 2000 को अस्तित्व में आयी थी। उन्होंने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का केंद्रीय स्तंभ है। उन्होंने कहा कि जनता द्वारा चुने गए विधायक ना केवल राज्य में कानून बनाने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, बल्कि जनता और सरकार के बीच एक मजबूत सेतु के रूप में भी कार्य करते हैं। उन्होंने कहा, एक जनप्रतिनिधि के रूप में विधायक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनता के विश्वास को बनाए रखना है। जनता द्वारा दी गई शक्ति सेवा का अवसर हैयह शक्ति का माध्यम नहीं है। विधायकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा, यह विशेष दिन यह संकल्प लेने का अवसर है कि हम सभी मिलकर झारखंड को राजनीतिक रूप से मजबूत, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और सामाजिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए कार्य करेंगे।

इस अवसर पर राज्यपाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के धनबाद विधानसभा क्षेत्र से तीन बार के विधायक राज सिन्हा को सर्वश्रेष्ठ विधायक पुरस्कार भी प्रदान किया।

सिन्हा ने कहा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां सर्वश्रेष्ठ विधायक के रूप में उपस्थित रहूंगा। इस पुरस्कार के लिए मुझे चुनने वाले सभी लोगों के प्रति मैं आभार व्यक्त करता हूं। मैं यह पुरस्कार धनबाद की जनता को समर्पित करता हूं।

माहित संधू ने 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की माहित संधू ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए टोक्यो में चल रहे बधिर ओलंपिक खेलों की निशानेबाजी प्रतियोगिता में महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में स्वर्ण पदक जीता जो उनका चौथा पदक है।

माहित ने 45 शॉट के बाद कुल 456.0 अंक हासिल कर बधिर ओलंपिक खेलों का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। दक्षिण कोरिया की डैन जियोंग ने 453.5 अंक के साथ रजत और हंगरी की मीरा जुजाना बियातोव्स्की ने 438.6 अंक के साथ कांस्य पदक जीता।

माहित ने फाइनल तक पहुंचने के दौरान बधिर खेलों का नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने क्वालीफाइंग दौर में 585 अंक बनाए और शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया। माहित ने नीलिंग में 194, प्रोन में 198 और स्टैंडिंग में 193 अंक प्राप्त किए तथा पिछले वर्ष हनोवर में आयोजित विश्व बधिर निशानेबाजी चैंपियनशिप में बनाए गए 576 अंकों के अपने ही पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

भारत की नताशा जोशी ने भी 566 अंक के साथ सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। वह फाइनल में 417.1 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

उत्तर प्रदेश में 2027 में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी : अपर्णा यादव

अमेठी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष एवं समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की पुत्रवधू अपर्णा यादव ने शनिवार को दावा किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में राज्य में एक बार फिर ''कमल खिलेगा'' और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। अमेठी में शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल एकता यात्रा में शामिल होने पहुंचीं अपर्णा यादव ने संवाददाताओं से बातचीत में यह बयान दिया। जब पत्रकारों ने उनसे सपा मुखिया अखिलेश यादव के 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) नारे पर सवाल किया तो उन्होंने कहा, ''मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि 2027 में उत्तर प्रदेश में फिर से कमल खिलेगा और भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी।'' यादव ने कहा, ''उत्तर प्रदेश ही नहीं, देश में जहां-जहां भी चुनाव होंगे वहां कमल खिलेगा। हमारे इरादे स्पष्ट हैं और भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता साल के 365 दिन जनता और देश के लिए काम करता है।

बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज, कुलदीप ने दिलाई भारत को वापसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए और भारत ने कुलदीप यादव की अगुवाई में आखिरी सत्र में चार विकेट लेकर दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के पहले दिन शनिवार को यहां अच्छी वापसी की।

भारत ने पहले दो सत्र में एक-एक विकेट लिया लेकिन तीसरे सत्र में वापसी करके उसने पहले दिन दोनों टीम का पलड़ा बराबरी पर रखा। खराब रोशनी के कारण जब 81.5 ओवर में दिन का खेल समाप्त किया गया तब दक्षिण अफ्रीका ने छह विकेट पर 247 रन बनाए थे।

पिच से अभी बहुत अधिक टर्न नहीं मिल रहा है लेकिन भारत ने दिन में जो छह विकेट हासिल किए उनमें से चार विकेट स्पिनर ने लिए। कोलकाता में पहले टेस्ट मैच में स्पिनरों के सामने नतमस्तक होने वाले भारतीय बल्लेबाजों के लिए इसे अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता। इस पर भी गौर करना होगा कि दक्षिण अफ्रीका इस मैच में तीन विशेषज्ञ स्पिनरों के साथ उतरा है।

भारत की तरफ से बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप ने 48 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। उनके अलावा जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा को एक-एक विकेट मिला है।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका के दोनों सलामी बल्लेबाजों को तीन गेंद के अंदर पवेलियन की राह दिखा दी थी। बुमराह ने सुबह के सत्र के अंतिम ओवर की पांचवीं गेंद पर एडेन मारक्रम (38) को बोल्ड किया। कुलदीप ने दूसरे सत्र के शुरू में ही दूसरे सलामी बल्लेबाज रियान रेकेलटन (35) को आउट करके दक्षिण अफ्रीका के खेमे में खलबली मचा दी थी। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी करके अपने कप्तान के पहले बल्लेबाजी करने के फैसले को सही साबित किया था।

इसके बाद तेम्बा बावुमा (41) और ट्रिस्टन स्टब्स (49) भी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाए। इन दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 84 रन की साझेदारी की। बुमराह को मारक्रम का विकेट पहले ही मिल जाता लेकिन केएल राहुल ने स्लिप में उनका आसान कैच छोड़ दिया था। मारक्रम तब छह रन पर खेल रहे थे। बुमराह ने हालांकि उन्हें इसका ज्यादा फायदा नहीं उठाने दिया। उनकी फुल लेंथ गेंद पर मारक्रम ने ड्राइव करने की कोशिश की लेकिन गेंद ने उनकी गिल्लियां बिखेर दी। रिकेलटन ने विकेटकीपर ऋषभ पंत को कैच दिया।

बावुमा और स्टब्स ने धैर्य से काम लिया और दूसरे सत्र में अपनी टीम को कोई और झटका नहीं लगने दिया। स्टब्स को लय हासिल करने में कुछ समय लगा लेकिन इसके बाद उन्होंने आत्मविश्वास से भरे शॉट खेले। उन्होंने कुलदीप और जडेजा पर छक्के भी लगाए। भारतीय गेंदबाज हालांकि तीसरे सत्र के शुरू में ही इन दोनों की एकाग्रता भंग करने में सफल रहे। बावुमा ने जडेजा की गेंद मिड ऑफ के ऊपर से खेलने का प्रयास किया लेकिन यशस्वी जायसवाल ने डाइव लगाकर उसे खूबसूरत कैच में बदल दिया। कुलदीप ने स्टब्स को अर्धशतक पूरा नहीं करने दिया जिन्होंने फ्लाइट लेकर गेंद पर स्लिप में राहुल को कैच थमाया। वियान मुल्डर (13) ने कुलदीप की ऑफ स्टंप से बाहर जा रही गेंद पर जायसवाल को कैच देकर अपना विकेट इनाम में दिया। पहली बार टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहे एसीए स्टेडियम में भारत ने 81 ओवर के बाद नई गेंद ली।

सुविचार

सचेतन कार्य से कर्म पैदा नहीं होता। प्रवृत्ति वश की गई प्रतिक्रिया कर्म पैदा करती है।

ट्वीट

राज्यसभा सांसद श्री राजेन्द्र गहलोत, राज्य के कैबिनेट मंत्री श्री जोगाराम पटेल, शेरगढ़ विधायक श्री बाबू सिंह राठौड़, जोधपुर शहर जिला अध्यक्ष श्री राजेन्द्र कुमार पालीवाल, देहात दक्षिण अध्यक्ष श्री त्रिभुवन सिंह भाटी सहित अनेक कार्यकर्ता मित्रों ने भी उनकी अगुवानी की।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

पराक्रमी योद्धा एवं मारवाड़ के सपूत वीर दुर्गादास राठौड़ जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि। मातृभूमि के प्रति उनका अटूट सम्मान, उनका कृतित्व तथा व्यक्तित्व हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

-अशोक गहलोत

कहानी

इन्सानियत

करतारसिंह दुग्गल

अनुवाद - कीर्ति केसर

बलौच सिपाही मिल्टरी के ट्रक में मुर्गों की तरह लद गये थे। उनका सामान वैपन-कैरियर में सुबह भेज दिया गया था। हर फौजी के पास सिर्फ अपनी-अपनी बन्दूक थी। समय ही कुछ ऐसा था कि बन्दूकों पर संगीनें हर समय चढ़ी रहती थीं। बलौच फौज़ियों की इस टुकड़ी का सरदार एक रमजान खान नाम का जमादार था, जिसे सभी 'मौलवी जी, मौलवी जी' कहते थे। चलती लारी में जमादार नमांज पढ़ने के लिए खड़े हो जाते। फसादों में लाशों के ढेर के आगे मुस्सला बिछाकर लोगों ने नमांज के समय उन्हें नमाज पढ़ते देखा था। एक सिपाही उनकी दायीं तरफ बन्दूक लेकर खड़ा होता और एक सिपाही उनकी बायीं तरफ। देश विभाजन के बाद अमृतसर क्षेत्र से मुसलमानों को निकाल-निकालकर वे पाकिस्तान भेजते। जली हुई मस्जिदों के सामने लारी रुकवाकर ये रोने लगते।

और अब उनका काम खत्म हो चुका था। कोई भी मुसलमान ऐसा नहीं रह गया था जिसे मौलवी ने पाकिस्तान की स्वर्ग-सी जमीन पर न भिजवा दिया हो। जो अपने घरबार छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे, उन्हें मौलवीजी इस्लामी राज्य के सुन्दर चित्र दिखाते और कोई भी उनका कहना टाल न पाता।

और आज अब लारी चलने लगी तो मौलवीजी को अचानक खयाल आया भगवान तो सभी का एक है। अमृतसर के हरिमन्दिर की नींव एक मुसलमान फकीर ने रखी थी, गुरु नानक को अहले-सुन्नत भी अपना पीर मानते हैं और मौलवीजी ने दूर गुरुद्वारे के चमकते हुए सुनहरे कलशों को देखकर सिर झुका दिया।

लारी चली तो ठंडी हवा के पहले झोंके साथ ही मौलवीजी की आंखें मुंदने लगीं। मौलवाजी की आंखें मुंदीं तो फसादों के वीभत्स दृश्य उनकी आंखों के सामने उभरने लगे। किस तरह मुसलमानों ने हिन्दू-सिखों के टुकड़े-टुकड़े किये थे और किस तरह हिन्दू-सिखों ने मुसलमानों से गिन-गिनकर बदले लिये थे। कोई कहतापहले हिन्दूओं ने की थी, कोई कहता मुसलमानों ने की थी...।

जमादार रमजान खान ऐसे ही खयालों में खोया हुआ था कि सड़क से एक खौंफनाक चीख के बाद ट्रक में सिपाहियों के हंसने की आवाज आयी। पूछने पर पता चला कि साइकिल पर जा रहे नौजवान सिख के पास से जब लारी गुजरी तो लारी के एक सिपाही ने अपनी संगीन से उसके गले को छलनी कर दिया। वह सिख साइकिल से उछलकर नाली में गिर पड़ा जैसे कोई मेंढक उछलकर गिरता है। इसी घटना पर सिपाही हंस रहे थे। जमादार भी सिख को मारने की इस तरकीब पर हंसने लगा। उसने सोचा चलो एक सिखड़ा और कम हुआ। और अपनी डायरी में दुश्मन के जानी नुकसान के ब्यौरे में उसने एक नम्बर और बढ़ा लिया।ट्रक से हंसी अभी थमी नहीं थी कि सड़क से फिर एक भयानक चीख सुनाई दी। इस बार आवरज किसी औरत की थी। और लारी में कहकहों की आवाज और ऊंची हो गयी। दूध बेचकर गांव जा रही किसी ग्वालिन को इस बार निशाना बनाया गया था। संगीन की नोक ग्वालिन की चोटी में जाकर लगी थी और उसके बालों की लट संगीन के साथ कट कर आ गयी थी और ग्वालिन का बर्तन एक तरफ गिर गया था और ग्वालिन दूसरी तरफ ढेर हो गयी थी। फिर बलौची सिपाही बारी-बारी से बालों की लट की चुमने लगे थे। जब सभी ने अरमान पूरे कर लिये तो जमादार ने बालों की लट लेकर अपनी डायरी में रख ली। काफिरों के मुल्क की यह निशानी भी अच्छी रहेगी, उसने मन-ही-मन सोचा।

सुबह की ठंडी-ठंडी हवा चल रही थी। अमृतसर शहर के बाहर सड़क पर कोई इक्का-दुक्का ही आ-जा रहा था। बलौच फौजियों ने पाकिस्तान की शान में गीत गाने प्रारम्भ कर दिये पाकिस्तान आसमान में चमकता एक तारा हैपाकिस्तान दुनिया में इनसाफ का एक नमूना होगा पाकिस्तान गरीबों और अनाथों का सहारा होगा पाकिस्तान में कोई जालिम होगा, न कोई मंजलूम...। इसी तरह गाते-गाते एक सिपाही ट्रक में ड्राइवर के दाहिने आकर बैठ गया, दूसरा जमादार से इजाजत लेकर उनके बायीं ओर बैठ गया। और संगीनों को उन्होंने बाहर निकालकर रख लिया जैसे कोई शिकारी की घात में बैठा हुआ हो। सड़क पर फिर एक औरत नजर आयी, गले में गातरे वाली कृपाण, कोई सिख नजर आ रही थी। ड्राइवर ने धीरे-से ट्रक को उसके पास से निकाला और उसके दायीं ओर बैठे बलौच सिपाही ने उस गोल-मटोल गुरु की भक्तिन को जैसे नेजे पर उछाल दिया हो। सुनसान सड़क पर फिर एक चीख सुनाई दी। ट्रक में फिर कहकहे उठे। ड्राइवर ने फिर ट्रक को तेज कर लिया।

और जहां जाकर वह औंधी गिरी, दूर तक सिपाही एड़ियां उठाकर उसे तड़फते हुए देखते रहे। फिर उसके सम्बन्ध में बातें होने लगीं। कोई कहता गुरुद्वारे से आ रही थी तो दूसरा कहता गुरुद्वारे जा रही थी। कुछ का खयाल था कि खा-पीकर मोटी हो रही थी।

और जमादार को समझ नहीं आ रहा था कि वह अपनी डायरी में दुश्मनों के जानी नुकसान के हिसाब में एक औरत लिखे या एक औरत और एक बच्चा। कोई एक मील बाद एक बूढ़ा सडक के किनारे बैठा पेशाब कर रहा था। लारी फिर सड़क छोड़कर कच्चे रास्ते पर आ गयी। इस बार जमादार के बायीं ओर बैठे सिपाही ने बूढ़े की पीठ में संगीन को गाढ़ दिया। बूढ़ा गेंद-सा लुढ़कता खाई में गिर गया। फिर एक चीख की आवाज और फिर कहकहे। लारी फिर तेज हो गयी।

जमादार रमजान खान ने सोचा जाते-जाते ये अच्छे शिकार मिल गये। वह बार-बार डायरी खोलता और अपने हिसाब को अप-टू-डेट करता। शहर से जैसे-जैसे वे दूर होते जा रहे थे, वैसे-वैसे खतरा कम होता जा रहा था। बलौच सिपाहियों के हौसले बढ़ते जा रहे थे और उन्हें इस नए खेल में मजा आ रहा था।

हवा से बातें करता मिल्टरी का ट्रक जैसे उड़ता जा रहा था। सामने सीमा पर पाकिस्तानी झंडा दिखाई देने लगा था। बलौच सिपाहियों ने झंडे को देखते ही 'पाकिस्तान जिन्दाबाद' के पांच नारे लगाये और फिर कोई नगमा गाने लगे।

झंडा जरूर नजर आने लगा था, पर सरहद अभी लगभग तीन मील दूर थी।

थोड़ा ही आगे जाकर बलौच सिपाहियों ने देखा कि तीन सिख सड़क पर जा रहे थे, दो-दो दायीं ओर तथा एक बायीं और। तीनों में कोई पचास-पचास कदमों का अन्तर था।

ड्राइवर के पास अगली सीट पर बैठे बलौच सिपाहियों ने आंखों-आंखों से कोई योजना बनायी। और जब सारा नक्शा इशारों-इशारों से सभी की समझ में आ गया तो तीनों मुस्करा पढ़े।

फिर ड्राइवर ने ट्रक को दायीं और कच्चे रास्ते पर डाल दिया। अगले ही क्षण एक नौजवान सिख संगीन की नोक से बिंध गया। ट्रक तेज हो गया। नौजवान की चीख सुनकर उसी ओर जा रही औरत ने हैरानी और घबराहट से पीछे मुड़कर देखा। ट्रक उस समय तक उसके सिर पर पहुंच चुका था और तेजी से बाहर आती संगीन उसकी छाती में गढ़ गयी। ट्रक और तेज हो गया। अब बायीं ओर जा रहे बूढ़े की बारी थी। बूढ़ा जैसे ऊंचा सुनता हो, उसे कुछ भी सुनाई नहीं दिया था। ड्राइवर बड़े साहस से ट्रक को सड़क पर ले आया और फिर बायीं ओर कच्चे रास्ते पर डाल दिया और पूरी रफ्तार के साथ ट्रक को बूढे क़े पास से निकाला। बूढ़ा भूखा-प्यासा कोई शरणार्थी लग रहा था। संगीन की नोंक चुभते ही उछला और पहिये के आगे जा गिरा। उसकी खोपड़ी ट्रक के भारी पहियों के नीचे कुचल गयी। ड्राइवर ने ट्रक को और तेज कर दिया।

सामने दिख रहा पाकिस्तान का धर्म, सच और न्याय का प्रतीक चांद-तारे वाला झंडा लहरा रहा था। ड्राइवर ने ट्रक को और तेज कर दिया। अपने देश से आ रही प्यार-भरी तेज हवाएं जैसे बलौच सिपाहियों का स्वागत कर रही थीं और एक नशे में बलौच सिपाही 'अल्लाह हू अकबर' और 'पाकिस्तान जिन्दाबाद' के नारे लगा रहे थे।

सिपाही नारे लगाते जा रहे थे, ड्राइवर ट्रक की रफ्तार को बढ़ाता जा रहा था। तभी ड्राइवर ने देखा कि अचानक एक जंगली बिल्ली कूद कर सड़क के बीच में आ गयी। ड्राइवर ने बिल्ली को देखा, जमादार ने भी बिल्ली को देखा। ''इनसानियत का तकाजा...'' इस तरह हुक्म उसके मुंह में ही था कि ड्राइवर ने खुद ही ट्रक को एक तरफ करते हुए बिल्ली को बचाने की कोशिश की। बिल्ली तो बच गयी, पर इतनी तेज जा रहे ट्रक कर हैंडल मुड़ा तो फिर सम्भाल न सका। ट्रक कच्चे रास्ते पर आ गया, फिर कच्चे रास्ते से उतर कर एक पेड़ से टकराकर उलट गया। ट्रक ने एक करवट ली, फिर दूसरी।

पच्चीस मिली-जुली चीखें निकलीं। और फिर जैसे सभी के गले पकड़ लिए गए हों, एकदम सन्नाटा छा गया। इंजन के पेट्रोल से ट्रक को आग लग गयी। सड़क पर कोई भी हिंदुस्तानी नहीं था जो बलौच सिपाहियों की मदद के लिए पहुंचता।

दूर दिख रहा पाकिस्तान का झंडा वैसे ही लहरा रहा था। घबराहट में सड़क के किनारे कीकर के पेड़ पर बिल्ली चढ़ गयी थी और वहीं से काटों में से आखें फाडे ज़ल रहे ट्रक को देख रही थी और हैरानी हो रही थी।

– 'हिन्दी समय' से साभार

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

साक्षात्कार

शाम का धुँधलका घिर रहा है। बालकनी में खड़ा सड़क की दूसरी ओर का दृश्य निहार रहा हूँ। यह क्षेत्र पेड़ों से भरा हुआ है। घर लौटते पंछियों की चहचहाट से वातावरण गुंजायमान है। देखता हूँ कि सुदूर आकाश में दो पंछी काफी ऊँचाई पर पंख फैलाये, धीमी गति से उड़ रहे हैं। उनमें से एक धीरे-धीरे नीचे की ओर आ रहा है। नीचे आने की प्रक्रिया में पेड़ के पीछे की ओर जाकर विलुप्त हो गया। संभवत: कोई घोंसला उसकी प्रतीक्षा में है। दूसरा दूर और दूर जा रहा है, निरंतर आकाश की ओर। थोड़े समय बाद आँखों को केवल आकाश दिख रहा है।

जीवन भी कुछ ऐसा ही है। घोंसला मिलना, जगत मिलना। जगत मिलना, जन्म पाना।आकाश में ओझल होना, प्रयाण पर निकलना। प्रयाण पर निकलना, काल के गाल में समाना। प्रकृति को निहारो, हर क्षण जन्म है। प्रकृति को निहारो, हर क्षण मरण है। प्रकृति है सो पंचमहाभूत हैं। पंचमहाभूत हैं सो जन्म है।

प्रकृति है सो पंचतत्वों में विलीन होना है, पंचतत्वों में विलीन होना है सो मरण है। प्रकृति है सो पंचेंद्रियों के माध्यम से जीवनरस का पान है। जीवनरस का पान है सो जीवन का वरदान है। जन्म का पथ है प्रकृति, जीवन का रथ है प्रकृति, मृत्यु का सत्य है प्रकृति।

प्रकृति जन्म, परण, मरण है। जन्म, परण, मरण, जीव की गति के अलग-अलग भेष हैं।जन्म, परण, मरण ब्रह्मा, विष्णु, महेश हैं। ब्रह्मा, विष्णु, महेश,त्रिदेव हैं। प्रकृति त्रिदेव है। सहजता से त्रिदेव के साक्षात दर्शन कर सकते हो। साधो! कब करोगे दर्शन?

बोध कथा

दरख़्त रानी

पुराने ज़माने में किसी गाँव में एक बूढ़ा आदमी रहता था। उसकी शादी को 20 साल हो गए थे पर वह औलाद की दौलत से महरूम था। भगवान की कृपा से बूढ़े की औरत का पाँव भारी था। नई-नई चीज़ें खाने को उसका जी चाहता था। बूढ़ा भी अपनी बिसात के मुताबिक़ उसे खाने की चीज़ें ला कर देता था। एक रोज़ बूढ़े की बीवी को खट्टे-मीठे बेर खाने की बहुत ख़्वाहिश हुई। गरमी के मौसम में बेर कहाँ मिलते हैं। फिर भी बूढ़ा बेरों की तलाश में जंगलों में भटकता रहा। एक दिन जंगलों में इधर-उधर बेर तलाश करते हुए वह एक तालाब के किनारे पहुँचा तो एक बेर की झाड़ी नज़र आई। बूढ़े को बहुत खुशी हुई। वह अपने दोनों हाथों से बेर इकट्ठे करने लगा। अभी झोली भर बेर ही तोड़े थे कि एक आदमख़ोर मगरमच्छ ने अपना बड़ा सा मुँह पानी से ऊपर निकाला और ज़ोर से साँस खींची। उसके साँस लेने से एक ज़ोरदार आँधी चली और बूढ़ा कमज़ोरी की वजह से अपने को न संभाल पाया और तालाब में आ गिरा। बूढ़ा अपने को संभालते हुए किनारे तक पहुँचना ही चाहता था कि मगरमच्छ ने इसके पाँव ही पकड़ लिए। बूढ़ा उससे कहने लगा,भाई खट्टे-मीठे बेरों की तलाश में मेरे पाँव घिस गए और फिर जब बेर मिले तो मेरे रास्ते में तू रोड़ा बनता है। तेरी यह मक्कारी मुझपर कोई असर नहीं करेगी। बहुत दिनों से इंसान का गोश्त खाने को नहीं मिला। तेरी करारी हड्डियों को चबाने में मुझे बहुत मज़ा आएगा। आज मैं तुझे खाऊँगा। मगरमच्छ ने लार टपकाते हुए कहा।

क्यों। मुझे तू क्यों खाएगा इसलिए क्योंकि तूने मुझसे बगैर इजाज़त लिए मेरे बेर लिए हैं। भाई मैं यह बेर बहुत मजबूरी में ले रहा हूँ। मेरी बीवी की हालत कुछ ऐसी है। मैं और मेरी बीवी अब और ज़्यादा इंतज़ार नहीं कर सकते। बूढ़े की बात सुनकर मगरमच्छ समझ गया। ओह अगर यह बात है तो मैं तुझे नहीं खाऊँगा। तू अपनी राह ले लेकिन मेरी एक शर्त है। क्या शर्त है। बूढ़े ने पूछा।

अगर लड़का होगा तो तेरा और लड़की हुई तो मेरी। मंज़ूर कहकर वह बेरों की झोली संभालते हुए चल दिया। वह अपने दिल में सोचने लगा कि मगरमच्छ उसे फिर कहाँ मिलेगा और अगर उसके यहाँ लड़का पैदा हुआ तो फिर तो परेशानी की कोई बात ही नहीं। बूढ़ा अपनी बीवी की आव भगत में कोई कमी नहीं करता था। दिन पर लगा कर उड़ते रहे और एक दिन बूढ़े के घर एक खूबसूरत और बहुत तंदरूस्त लड़की पैदा हुई। बच्ची को देखकर उसे मगरमच्छ की बात याद आई तो वह काँप उठा। लड़की का रंग गुलाब के फूल की तरह था। उसकी आँखे हीरों की तरह चमकदार थीं। वह परियों की तरह हसीन और मासूम थी। ऐसी मन्नतों और मुरादों की लड़की मगरमच्छ के पेट में जाए यह सोचकर बूढ़ा दुख से काँपने लगा। उसने सोचा कि अब वह कभी तालाब के किनारे नहीं जाएगा।

बारिश का मौसम आया और नदी में बाढ़ आ गई। मगरमच्छ पानी में बह कर तालाब से निकल कर खेत में आ गया। अब उसे आसानी से शिकार मिलने लगा। एक दिन बूढ़ा खेत से सब्ज़ी तोड़कर ला रहा था तो रास्ते में मगरमच्छ ने उसे रोककर सवाल किया। क्यों बे बुडढ़े! मुझसे छुपता क्यों है? तू मुझसे छुप कर कहाँ भागेगा। सीधी तरह बता तेरे यहाँ लड़की हुई या लड़का। लड़की हुई है। बूढ़े ने सहमी हुई आवाज़ में कहा। तो फिर वह मेरी है। मेरी अमानत को अब तक तूने अपने पास क्यों रखा है। क्या तू अमानत में ख़्यानत करना चाहता है। इतनी छोटी बच्ची को तुझे कैसे दे दूँ? बूढ़े ने कहा। चौदह साल पहले तूने मुझसे वादा किया था। क्या वह अब भी बच्ची है। तू बाप की नज़र से देखता है वह अगर बूढ़ी भी हो जाएगी तब भी वह बच्ची ही रहेगी। तू मुझे अब और बेवकूफ़ नहीं बना सकता। मैं तुझे चैन से रहने नहीं दूंगा। देख! अगर तूने लड़की को कल ही लाकर मुझे नहीं दिया तो मैं तुम तीनों को एक-एक कर ख़्तम कर दूँगा। मगरमच्छ ने कहा।

वह मेरी बेटी है। अपना खून तुझे मैं कैसे दे दूँ? लोग क्या कहेंगे? बूढ़े ने सवाल किया। लोग क्या कहेंगे वह मैं नहीं जानता। तू क्या कहता है? वादा ख़िलाफ़ी करना चाहता है? मगरमच्छ ने गुस्से से चिल्लाकर कहा। नहीं नहीं! यह बात नहीं है। मै चाहता हूँ कि मेरी बेटी को इस बात का पता न चले। और।।। बूढ़ा कहते-कहते रुक गया। तू क्या चाहता है बोल। मगरमच्छ ने कहा। मेरी लड़की को कमल का फूल बहुत पसंद है। तू अपनी पीठ पर एक कमल का फूल रखकर तालाब के अंदर पानी के नीचे बैठे रहना। जब लड़की खुशी से इसे लेने जाएगी तो इसे तू ले जाना। मगरमच्छ को यह तरकीब पसंद आई।

दूसरे दिन जब बूढ़े ने अपनी बीवी को बताया तो लड़की की माँ परेशान हो गई। वह अपने आपको कोस रही थी कि क्यों उसने बेर खाने की ख़्वाहिश की। आज उसकी बेटी मौत के मुँह में जा रही थी। भगवान उसे मौत क्यों नहीं देता। उसका दिल रो रहा था लेकिन वह लड़की से कह रही थी, बेटी! कितने दिन हुए नानी के घर तू नहीं गई। वह तुझे याद कर रही है। तू आज अपने बाप के साथ नानी के घर जाएगी। दो दिन रहकर वापस आ जाना। बूढ़े की बेटी मगरमच्छ को सामने देखकर घबरा गई और चीख़ने लगी लेकिन उसकी चीख़ जंगल में गूंज कर रह गई पर उसका बाप वापस नहीं आया। मगरमच्छ उसको अपने बड़े-बड़े पंजों में पकड़ कर तालाब के दूसरे किनारे एक गुफा के अंदर ले गया और वहाँ लड़की को छोड़कर वापस आ गया ननिहाल जाने की बात सुनकर बेटी को खुशी हुई। उसके लिए मामू का घर जन्नत से कुछ कम नहीं था। वहाँ की हर चीज़ उसे पसंद थी। वहाँ का चाँद खूबसूरत था। वहाँ के फूल खूबसूरत और फल रसीले थे। नानी के घर जाने की ख़बर सुनकर वह खुशी से नए कपड़े पहन कर तैयार हो गई थी। बूढ़ा उसे लेकर जंगल और नाले पार करता हुआ उस तालाब के किनारे पहुँचा और बेटी को तालाब के किनारे बैठा कर बोला, बेटी तू यहाँ बैठी रह। मैं अभी आया। बूढ़ा चला गया लेकिन वापस नहीं आया। उधर बेटी को एक बेहद खूबसूरत कमल का फूल नज़र आया।

शहादत की अनुपम मिसाल थे गुरु तेग बहादुर जी

बाल मुकुन्द ओझा

भारत की भूमि ने ऐसे महापुरुषों को जन्म दिया है, जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन मानवता को समर्पित कर विश्व में भारत का नाम रोशन किया है। इन्हीं बलिदानी महापुरुषों में से एक हैं सिखों के नवें गुरु, श्री गुरु तेग़ बहादुर जी। उनका जीवन केवल सिख समुदाय के लिए नहीं, बल्कि पूरे मानव समाज के लिए एक आदर्श है। उन्होंने उस समय के धार्मिक अत्याचार और जबरन धर्म परिवर्तन की नीतियों के सामने सत्य, धर्म और मानव अधिकारों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। गुरु तेगबहादुर जी का संपूर्ण जीवन न्याय, करुणा और सत्य की शक्ति का प्रतीक है। गुरु तेग बहादुर जी का 350वां शहीदी दिवस देश और दुनियां में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया जा रहा है। यह दिन उनके महान त्याग, सिद्धांतों के प्रति उनकी अडिग निष्ठा और धार्मिक स्वतंत्रता के लिए उनके साहसी रुख को याद करने का अवसर है। इस अवसर पर श्री आनंदपुर साहिब में 23 से 25 नवंबर तक तीन दिवसीय समागम पंजाब में श्रद्धा, इतिहास और संस्कृति का सबसे भव्य आयोजन बन रहा है। गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर होने वाले अखंड पाठ, नगर कीर्तन, हेरिटेज वॉक, विशेष विधानसभा सत्र, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और ड्रोन शो ने लोगों में भारी उत्साह पैदा किया है। 23 नवंबर को अखंड पाठ और सर्व धर्म सम्मेलन के साथ समागम शुरू होगा। 24 नवंबर को सुबह शीश भेंथ नगर कीर्तन निकलेगा। यह वही ऐतिहासिक यात्रा है जिसके रास्ते भाई जैता जी गुरु तेग बहादुर जी का सिस लेकर आनंदपुर साहिब तक पहुंचे थे। आज भी यह घटना भारत के इतिहास की सबसे मार्मिक और पवित्र यादों में शामिल है। 24 को पहली बार विधानसभा का विशेष सत्र श्री आनंदपुर साहिब में होगा, जिसमें ऐतिहासिक फैसले लिए जाएंगे।

उन्हें भारत का कवच कहा जाता है क्योंकि उन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अत्याचारों के खिलाफ डटकर संघर्ष किया। गुरु तेग बहादुर जी, का जन्म 1 अप्रैल, 1621 को अमृतसर में हुआ था। वह छठे सिख गुरु, गुरु हरगोबिंद साहिब जी, और माता नानकी जी के सबसे छोटे पुत्र थे। उनका बचपन का नाम त्याग मल था। गुरु तेग बहादुर जी का शहीदी दिवस 24 नवंबर 1675 को है। उन्हें चांदनी चौक, दिल्ली में शहीद किया गया था। उनकी शहादत का उद्देश्य धार्मिक स्वतंत्रता, सहिष्णुता और सच्चाई की रक्षा था। उन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपना बलिदान दिया। गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान भारतीय इतिहास में एक अद्वितीय घटना है। यह बलिदान न केवल सिख धर्म के लिए था, बल्कि सनातन धर्म (कश्मीरी पंडितों) की रक्षा के लिए भी था। उनका शहीदी दिवस हमें न्याय, समानता और मानवाधिकारों के लिए खड़े होने की प्रेरणा देता है। उन्हें हिंद की चादर' के रूप में भी जाना जाता है। उनका बलिदान भारतीय धर्मनिरपेक्षता और धार्मिक स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। भारत के इतिहास में ऐसे बहुत कम उदाहरण मिलते हैं जहाँ किसी धर्मगुरु ने दूसरों के धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए हों। गुरु तेग बहादुर जी का शहीदी दिवस इसी महान आदर्श का स्मरण कराता है। एक बालक के रूप में, तेग बहादुर जी ने अपने पिता, गुरु हरगोबिंद साहिब, से न केवल आध्यात्मिक शिक्षा, बल्कि सैन्य प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। 1634 में करतारपुर के युद्ध में उन्होंने अपनी असाधारण तलवारबाजी और बहादुरी का प्रदर्शन किया। उनकी वीरता से प्रभावित होकर ही उनके पिता ने उनका नाम 'त्याग मल' से बदलकर 'तेग बहादुर' रखा, जिसका अर्थ है 'तलवार का धनी' या 'तलवार का बहादुर'।

वीर गाथा

मेजर राजेंद्र प्रसाद जाट: ऐसी रणनीति बनाई कि आतंकवादियों को बचने का मौका नहीं मिला

मेजर राजेंद्र प्रसाद जाट का जन्म राजस्थान में अलवर जिले के गिरूडी गांव में हुआ था। माता संतोष देवी और पिता रामसिंह जाट के बेटे राजेंद्र भारतीय सेना की डोगरा रेजिमेंट में बतौर अधिकारी शामिल हुए थे। इसके बाद उन्हें राष्ट्रीय राइफल्स की 62वीं बटालियन में भेज दिया गया था। मेजर राजेंद्र प्रसाद ने विभिन्न सैन्य अभियानों में शानदार बहादुरी दिखाई, जिसकी वजह से कई आतंकवादियों का खात्मा हुआ। 10 अगस्त, 2022 को सेना को अपने खुफिया सूत्रों से आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सूचना मिली थी। उसका विश्लेषण करने के बाद राजेंद्र प्रसाद को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई थी। मेजर ने एक ऐसी योजना बनाई, जिसके तहत आतंकवादियों पर इस तरह हमला करना था, ताकि उन्हें बचकर निकलने का मौका ही न मिले। जब आतंकवादियों ने उन्हें देखा तो गोलीबारी करने लगे। उस समय सेना का एक जवान गोलीबारी की चपेट में आ सकता था। यह देखकर राजेंद्र प्रसाद उसकी मदद करने गए। वे रेंगते हुए आगे बढ़े और आतंकवादी पर गोलीबारी कर उसे वहीं ढेर कर दिया।

अपने साथी का खात्मा होते देख दूसरा आतंकवादी बुरी तरह घबरा गया था। वह जवानों की ओर ग्रेनेड फेंकने लगा। राजेंद्र प्रसाद ने एक बार फिर अपनी पोजिशन बदली और उस आतंकवादी पर भारी गोलीबारी की। इससे वह बुरी तरह घायल हो गया था। कुछ ही समय में तीन आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया।

मेजर राजेंद्र प्रसाद जाट ने उस अभियान के दौरान शौर्य के साथ उत्कृष्ट नेतृत्व का भी प्रदर्शन किया था। उन्होंने अपने जवानों की जान बचाई थी। उन्हें इस पराक्रम के लिए 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अपनी हल्दी सेरेमनी में जमकर थिरके स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड सिंगर पलक मुच्छल के भाई और म्यूज़िक कंपोजर पलाश मुच्छल और महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना शादी के पवित्र बंधन में बंधने वाले हैं। बीते शुक्रवार को दोनों की हल्दी सेरेमनी रखी गई, जिसकी वीडियो और फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। हल्दी की एक नई वीडियो सामने आई है, जिसमें पलाश मुच्छल और स्मृति मंधाना एक साथ डांस करते दिख रहे हैं। पेशे से ट्रेनर उमेश कांबले ने अपने इंस्टाग्राम पर पलाश मुच्छल और स्मृति मंधाना की हल्दी सेरेमनी का अनदेखा वीडियो पोस्ट किया है। वीडियो में पलाश मुच्छल पिचकारी लेकर दूसरों पर रंग डाल रहे हैं और सबके चेहरे पर हल्दी लगी है। स्मृति और पलाश के चेहरे पर अलग ही खुशी देखने को मिल रही है। पलाश शाहरुख खान के गाने झूमे जो पठान पर थिरक रहे हैं और बाकी परिवार के साथ लोग भी मस्ती के रंग में डूबे दिखे। वीडियो में पलक भी अपनी होने वाली भाभी के साथ डांस करती दिख रही हैं। हल्दी सेरेमनी में भारतीय महिला टीम की बाकी खिलाड़ी भी थिरकती दिखीं। वीडियो में रेणुका सिंह, शिवाली शिंदे, जेमिमा रोड्रिग्स, और ऋचा घोष भी दिख रही हैं। इससे पहले स्मृति मंधाना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट की थी, जिसमें वे अपनी भारतीय महिला क्रिकेटर टीम के साथ दिख रही थीं। वीडियो में सभी स्मृति से पूछते हैं कि ऐ भाई, हुआ क्या, जिसके बाद संजय दत्त स्टाइल में अपनी एंगेजमेंट रिंग फ्लॉन्ट करते हुए स्मृति कहती है, सूट सिलवा लो, समझो हो ही गया। वहीं, इसी हफ्ते पलाश मुच्छल ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में स्मृति को शादी के लिए प्रपोज किया था।

ये मैदान स्मृति के लिए बहुत खास है क्योंकि यहीं भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को हराकर जीत हासिल की थी और महिला वनडे वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया था। बता दें कि म्यूजिक कंपोजर पलाश मुच्छल और महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना की शादी 23 नवंबर को इंदौर में होने वाली है। दोनों एक दूसरे को बीते 6 साल से डेट कर रहे हैं और अब भारत को वनडे वर्ल्ड कप जिताने के बाद कपल ने शादी का आधिकारिक एलान किया है।

प्यार और भावनाएं कभी पुरानी नहीं होतीं : कैलाश खेर

नयी दिल्ली/भाषा

गायक कैलाश खेर का कहना है कि प्यार और भावनाएं कभी पुरानी नहीं होतीं और उनका मानना है कि उनके बैंड 'कैलासा' का संगीत हमेशा प्रासंगिक बना रहेगा। खेर को कैलासा शुरू किए 20 साल हो चुके हैं और नयी पीढ़ी बड़ी ने तेरी दीवानी, तौबा तौबा और सैयां जैसे लोकप्रिय गीतों अपने बचपन और युवावस्था के दौरान सुना है। खेर ने कहा कि आज भले ही संगीत जगत पर रैप, इलेक्ट्रॉनिक धुनों और अन्य नए शैलियों का दबदबा हो, लेकिन कैलासा का भावपूर्ण और आध्यात्मिक संगीत हमेशा अपना श्रोता वर्ग का स्नेह प्राप्त करता रहेगा। उन्होंने कहा, कैलासा के संगीत को शुरू हुए अब 20 वर्ष हो गए हैं। उस समय सातआठ साल की रही एक पूरी पीढ़ी अब बड़ी हो चुकी है। हमारा संगीत इसलिए प्रासंगिक बना हुआ है क्योंकि न प्यार कभी पुराना हो सकता है और न ही भावनाएं खत्म होती हैं। खेर ने 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा, जब लोग कैलासा को सुनते हैं तो उन्हें लगता है'इसे मेरे पिता सुनते थे मैं इसे सुनते हुए बड़ा हुआ हूं।' प्यार का यही सिलसिला इस संगीत को जीवंत बनाये रखता है। गायक कैलाश खेर ने कहा कि वह कभी प्रेम के विचार को लेकर संदेह में थे, लेकिन लोगों का कैलासा के संगीत से गहरा जुड़ाव देखकर उनकी सोच बदल गई। शुक्रवार को खेर (52) ने अपने बैंड के साथ राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित वार्षिक लोक संगीत उत्सव 'मेहर रंगत 2025' में प्रस्तुति दी। कैलाशा एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन कनॉट प्लेस स्थित सेंट्रल पार्क एम्फीथिएटर में किया गया, जिसमें दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल हुईं। खेर और उनके बैंड ने अल्लाह के बंदे, ओ रंगीले, आदि योगी दमुरु दम दमाओ, जय जैकारा, छलिया हो छलिया, मेरी सखी, बम बम लहरी और चक दे चक दे फट्टे जैसे लोकप्रिय गीत प्रस्तुत किए।

वैश्विक स्तर पर धन और विकास में असमानताएं अन्यायपूर्ण : रामाफोसा ने जी20 में कहा

जोहानिसबर्ग/भाषा

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने शनिवार को देशों के अंदर और देशों के बीच धन एवं विकास में असमानताओं को अन्यायपूर्ण और असतत बताते हुए इन्हें वैश्विक प्रगति के सबसे बड़े अवरोधों में से एक करार दिया। यहां जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करने के दौरान रामाफोसा ने यह बात कही। जोहानिसबर्ग में एकत्र लगभग 40 राष्ट्राध्यक्षों को संबोधित करते हुए रामाफोसा ने टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक स्थिति, लैंगिक, नस्लीय और भौगोलिक आधार पर विभाजनों को समाप्त करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। राष्ट्रपति ने कहा कि जी20 के संस्थापक सदस्य के रूप में दक्षिण अफ्रीका ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि 'ग्लोबल साउथ' और अफ्रीकी महाद्वीप की विकास प्राथमिकता जी20 के एजेंडे के केंद्र में रहे।

उन्होंने कहा, यह न केवल अफ्रीका और 'ग्लोबल साउथ' के लोगों के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि यह वैश्विक स्थिरता एवं सुरक्षा के लिए आवश्यक है। संसाधन दबाव को कम करना, जनसंख्या आवागमन को प्रबंधित करने तथा संघर्ष के जोखिम को घटाना भी महत्वपूर्ण है। रामाफोसा ने कहा कि जी20 स्थिरता पर जोर देता है क्योंकि यह निवेश आकर्षित करता है तथा वैश्विक आर्थिक झटकों के जोखिम को कम करता है। राष्ट्रपति ने आज मानवता के सामने मौजूद खतरों का जिक्र करते हुए कहा, हम सबको साथ लेकर चलने के साथ ही अहम बाजारों को प्राथमिकता देते हैं क्योंकि वे नवाचार और क्षमता को बढ़ावा देते हैं। अच्छी अर्थव्यवस्था लोगों को गरीबी से बाहर निकालती हैं, ज्यादा निवेश और व्यापार को बढ़ावा देती हैं।

उन्होंने कहा कि बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव, ग्लोबल वार्मिंग, महामारियां, ऊर्जा एवं खाद्य असुरक्षा, बेरोजगारी, गरीबी तथा सशस्त्र संघर्ष सामूहिक भविष्य को खतरे में डाल रहे हैं। रामाफोसा ने कहा, इसलिए यह आवश्यक है कि हम संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों को 2030 तक हासिल करने की दिशा में अधिक तेजी लाएं।

विजय की 'जना नायकन' का ऑडियो लॉन्च मलेशिया में 27 दिसंबर को

मुंबई/एजेन्सी

थलपति विजय के फैंस के लिए बड़ी ख़ुशख़बरी जना नायकन का मेगा गीत-प्रस्तुति कार्यक्रम अब मलेशिया में सत्ताइस दिसंबर को होने जा रहा है। यह सिर्फ कोई लॉन्च नहीं, बल्कि सुपरस्टार के शानदार सिनेमा-विदाई का धूमधड़ाका है। तीन बरस बाद विजय का मलेशिया वापसी, वो भी कुआलालम्पुर के बुकित जलील मैदान में ये बात ही फैंस की धड़कनें तेज़ करने के लिए काफ़ी है। माहौल गरमाने के लिए निर्माताओं ने एक खूबसूरत वीडियो-श्रद्धांजलि जारी की, जिसने फैंस के दिलों को एक झटके में छू लिया। इस वीडियो में विजय की तमाम यादगार फ़िल्मी झलकें एक-एक करके उभरती हैं खुशी, घिल्ली, सचेन, पोकीरी, वेट्टैकरन, थुप्पाक्की, थेरी, मर्सल, बिगिल, मास्टर और लियो तक। हर फ्रेम ऐसा लगता है मानो थलपति की चमकदार यात्रा का प्यार भरा रीवाइंड चल रहा हो वही सफ़र जिसने उनकी स्टारडम को बनाया और दर्शकों के दिलों में घर किया। वीडियो में मलेशिया के फैंस भी अपने मन की बातें खोलते दिखते हैं। कोई बचपन से उनका दीवाना है अन्ना को भला कौन नहीं चाहेगा? एक और फैन उन्हें अपनी ज़िंदगी की प्रेरणा बताता है। एक युवती तो ये तक कहती है कि उसके पास कोई परिवार नहीं, और विजय को वह अपना बड़ा भाई मानती है उनके संवादों ने ही मुश्किल दिनों में उसे संभाले रखा। सबकी एक ही तमन्ना है: इस बार सामने से कुट्टी स्टोरी सुनना। निर्देशक एच. विनोथ की जना नायकन में दमदार कलाकारों की पूरी पलटन है बॉबी देओल, पूजा हेगड़े, ममीथा बैजू, प्रकाश राज और गौतम वासुदेव मेनन। निर्माता वेणकट के. नारायण और के-वी-एन प्रोडक्शन्स के बैनर तले बनी यह फ़िल्म नौ जनवरी दो हज़ार छब्बीस को दुनियाभर में उतरने वाली है ठीक पोंगल से पहले। और सबसे खास बात यह फ़िल्म थलपति विजय की सुनहरी फ़िल्म-यात्रा का अंतिम अध्याय है। इसलिए यह गीत-लॉन्च सिर्फ एक इवेंट नहीं, उनके फैंस के लिए एक ऐतिहासिक लम्हा बनने जा रहा है।

कल्याणी प्रियदर्शन ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग, फैंस किरदार के बारे में जानने के लिए बेताब

मुंबई/एजेन्सी

तमिल अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन लगातार चर्चाओं में बनी हुई हैं। हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'लोका' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की और उन्हें पैन-इंडिया स्टार के रूप में मजबूती भी दी। इस सफलता के बाद दर्शक और फैंस अब उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। इस कड़ी में उनकी नई फिल्म की आधिकारिक जानकारी सामने आई है, जो उनके करियर के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। कल्याणी प्रियदर्शन की अगली फिल्म की खास बात यह है कि यह महिला-प्रधान कहानी है। फिल्म की पूरी कहानी एक महिला पात्र के इर्द-गिर्द घूमेगी और उसकी भावनाओं, संघर्षों और सफर को मुख्य रूप से दिखाया जाएगा। अभिनेत्री ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म का निर्देशन थिरियम एस. एन. कर रहे हैं, जो इस फिल्म के जरिए निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। वहीं, फिल्म का निर्माण पोटेंशियल स्टूडियोज कर रहा है। यह फिल्म उनका सातवां प्रोजेक्ट है और इससे पहले वे 'माया', 'मानगरम', 'मॉन्स्टर', 'तानक्करन', 'इरुगापत्रु' और 'ब्लैक' जैसी फिल्मों का निर्माण कर चुके हैं। इन सफल फिल्मों के चलते दर्शकों का विश्वास इस बैनर पर पहले से ही बना हुआ है, और उम्मीद की जा रही है कि उनकी यह नई फिल्म भी उसी गुणवत्ता को आगे बढ़ाएगी।

कल्याणी प्रियदर्शन की कामयाबी और पोटेंशियल स्टूडियोज की लगातार सफल फिल्मों की सीरीज ने इस नए प्रोजेक्ट को पहले ही एक बड़े स्तर पर पहुंचा दिया है। दर्शक यह देखने के लिए उत्साहित हैं कि कल्याणी इस बार किस तरह का किरदार निभाएंगी। फिल्म में कल्याणी के साथ देवदर्शिनी और 'नान महान अल्ला' फेम विनोद किशन भी मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे। फिल्म की शूटिंग चेन्नई में शुरू हो चुकी है। फिल्म के डायलॉग्स प्रवीण भास्कर, श्री कुमार और खुद निर्देशक थिरवियम ने मिलकर लिखे हैं। संगीत की कमान तमिल फिल्म जगत के उभरते हुए संगीतकार जस्टिन प्रभाकरन ने संभाली है, जिनकी धुनें हमेशा दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ती हैं।

'फैमिली मैन सीजन 3' अब अमेजन प्राइम पर

नई दिल्ली/एजेन्सी

मनोज बाजपेयी की थ्रिलर और एक्शन से भरी सीरीज 'फैमिली मैन सीजन 3' अमेजन प्राइम वीडियो पर शुक्रवार को रिलीज हो गई। इस बार सीरीज में जयदीप अहलावत और निमृत कौर भी अलग किरदार में दिखे हैं। अब जयदीप अहलावत और मनोज बाजपेयी ने आईएएनएस से खुलकर अपने किरदार और सेट के अनुभवों को शेयर किया है। उन्होंने ये भी बताया कि सीजन 3 बाकी दो सीजन से कैसे अलग है। फैमिली मैन सीजन 3 को लेकर एक्साइटमेंट पर पूछे सवाल पर मनोज बाजपेयी ने कहा कि सीजन 3 आने में काफी समय लगा और वापस सेट पर जाना, पुरानी टीम से मिलना बहुत अच्छा लगा। सीरीज में इस बार जयदीप अहलावत और निमृत कौर भी हैं, जिनके काम को मैं पहले से ही बहुत एडमायर करता हूं। इनके साथ काम करने का एक्सपीरियंस भी शानदार था। लगा ही नहीं कि ये दोनों इस सीरीज के लिए नए हैं।

फैमिली मैन सीजन 3 में जयदीप अहलावत भी स्ट्रॉन्ग किरदार में दिखे हैं। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए जयदीप ने कहा कि इस सीजन में उनका किरदार काफी अलग है। सीजन में मेरा शानदार आइटम नंबर भी है, हालांकि मेरा किरदार ऐसे शख्स का है जो अपने ही आप से भाग रहा है। अमीर और पावरफुल बनना चाहता है और जो कुछ उसके पास है, उससे खुश नहीं है, लेकिन किरदार को इस तरीके से लिखा गया है कि हम कहेंगे कि इसके अंदर भी इमोशंस हैं और ये भी फैमिली मैन बन सकता है। फैमिली मैन सीजन 1 से लेकर 3 तक में अपने किरदार को एक जैसा बरकरार रखने के सवाल पर मनोज ने कहा कि आमतौर पर पहले के सीजन की क्लिप देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है, लेकिन मेरे लिए तीनों सीजन में मेरे किरदार में भावनात्मक रूप से बहुत बदलाव आए हैं।

मेरे लिए किरदार को पहले के जैसे बनाए रखना काफी चुनौतीपूर्ण रहा है। फैमिली मैन सीजन 3 दर्शकों को क्यों देखनी चाहिए के सवाल पर जयदीप अहलावत और मनोज बाजपेयी ने कहा कि सीजन 3 पहले दो सीजन से बिल्कुल अलग है और दर्शकों ने पहले दो सीजन को भी भरपूर प्यार किया, लेकिन बिना सीजन 3 के कहानी पूरी नहीं है, क्योंकि इस बार फैमिली मैन का न्यू वर्जन देखने को मिलेगा।

धुरंधर का ट्रेलर कई प्लेटफॉर्म्स पर छाया हुआ है

मुंबई/एजेन्सी

एक ऐसे उद्योग में जहाँ ट्रेलर अक्सर पूरी कहानीसेटअप, संघर्ष, ट्विस्ट और कई बार चरम दृश्य तक खोलकर रख देते हैं, धुरंधर ने एक असाधारण रूप से संयमित रास्ता चुना है। आदित्य धर की यह फ़िल्म चर्चा में है, इसलिए नहीं कि ट्रेलर क्या दिखाता है, बल्कि इसलिए कि वह कितना कुछ जानबूझकर छिपाता है। 4 मिनट 08 सेकंड का यह ट्रेलर किसी झटके से कम नहीं। इसकी गति लगातार, वातावरण-प्रधान और बेहद तीव्र है जो दर्शकों को बांधे रखती है, बिना कहानी को ज़्यादा उजागर किए। ट्रेलर भारतीय मार्केटिंग में प्रचलित 'थ्री-एक्ट' रिवील फ़ॉर्मूले से दूरी बनाता है। इसमें न कोई मिशन ब्रीफ है, न खलनायक का खुलासा, न रिश्तों की झलक, और न ही वह व्याख्या जो रणवीर सिंह, आर. माधवन, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल, अक्षय खन्ना और सारा अर्जुन की समूह कास्ट को एक साथ जोड़ती हो। इसके बजाय, यह कट रहस्यमयी तनाव और पंच-लाइनों पर आधारित है जो संदर्भ का पूरा अर्थ नहीं बतातीं।

यह संयम पूरी तरह से सोचा-समझा निर्णय है। ट्रेलर की एडिटिंग से जुड़े लोगों का कहना है कि इसका उद्देश्य कहानी को उजागर किए बिना आकर्षण पैदा करना था। फ़िल्म से जुड़े एक स्रोत बताते हैं, धुरंधर के ट्रेलर की शॉटिंग को रैखिक क्रम में नहीं जोड़ा गया है। यह उस 'स्टोरीबोर्डेड ट्रेलर' फ़ॉर्मेट से बिल्कुल अलग है, जो अक्सर बड़ी फिल्मों की कहानी रिलीज़ से महीनों पहले बता देते हैं। यहाँ विचार सिर्फ़ किरदारों और उनकी शख्सियत को स्थापित करने का था। हम रहस्य बनाना चाहते थे। नतीजतन, दर्शकों के पास उत्सुकता तो है, लेकिन कहानी का कोई साफ़ नक्शा नहीं।व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि पिछले दशक में ओपनिंग डे के कलेक्शन बढ़ाने के दबाव ने हिंदी फिल्मों को ऐसे ट्रेलरों की ओर धकेल दिया है जो तीन मिनट के भीतर पूरी पटकथा का सार बता देते हैं।

धुरंधर इस प्रवृत्ति के विपरीत जाता है और जिज्ञासा पर दांव लगाता है और प्रतिक्रिया बताती है कि यह दांव सफल हो रहा है। एक ट्रेड एनालिस्ट के अनुसार, ऑनलाइन चर्चा स्पॉइलर्स पर नहीं, बल्कि थ्योरियों पर केंद्रित हैजो किसी बड़े दिसंबर रिलीज़ के लिए असामान्य है। ट्रेलर यूनिट धुरंधर को एक ऐसी फ़िल्म की तरह प्रस्तुत करती है जिसे मिस नहीं किया जा सकता। इसमें उत्साह बढ़ाने के लिए पर्याप्त सामग्री है, लेकिन कहानी समझने के लिए कभी भी पर्याप्त नहीं।

धुरंधर एक स्टार-स्टडेड गाथा है जो सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और अंडरवर्ल्ड के अपराध जगत, भारतीय देशभक्ति, एक्शन, धोखे और जासूसी की पृष्ठभूमि पर आधारित है। जियो स्टूडियोज़ द्वारा प्रस्तुत और इ62 स्टूडियोज़ के बैनर तले बनी यह फ़िल्म आदित्य धर द्वारा लिखित, निर्देशित और निर्मित है, तथा ज्योति देसाई और लोकेश धर द्वारा निर्मित। फ़िल्म 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

सरोज खान: परछाई देखकर नाचने वाली बच्ची कैसे बन गई बॉलीवुड की 'मदर ऑफ कोरियोग्राफी'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में डांस की बात हो और सरोज खान का नाम न आए, ऐसा मुमकिन ही नहीं। सरोज खान ऐसी कलाकार थीं, जिन्होंने हिंदी सिनेमा को डांस की असली परिभाषा सिखाई। उनकी कोरियोग्राफी ने न जाने कितनी अभिनेत्रियों को पहचान दिलाई और कितने ही गानों को आइकॉनिक बना दिया। वैसे अगर आपको न पता हो तो हम बताते हैं कि सरोज खान का बचपन का नाम निर्मला नागपाल था। उनका जन्म 22 नवंबर 1948 को हुआ था। बाद में उन्होंने इस्लाम स्वीकार कर लिया था और बॉलीवुड में उन्हें सरोज खान के नाम से पहचान मिली। उनके माता-पिता भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के बाद भारत आ गए थे। घर की हालत अच्छी नहीं थी, इसलिए निर्मला को बचपन से ही काम करना पड़ा। सिर्फ तीन साल की उम्र में उन्होंने फिल्म 'नजराना' में बेबी श्यामा के रूप में काम किया। धीरे-धीरे उन्हें डांस का शौक होने लगा, लेकिन यह शौक इतने अनोखे अंदाज में सामने आया कि घरवालों को भी समझ नहीं आया कि यह क्या हो रहा है।

निर्मला नागपाल (सरोज खान) जब बहुत छोटी थीं, तब वह अपनी ही परछाई को देखकर घंटों नाचती रहती थीं। उन्हें लगता था कि परछाई उनका साथ दे रही है और उसी के साथ वह कदम मिलाती रहती थीं। वह जब कमरे में अकेली होतीं तो वह घंटों तक अपने डांस में खोई रहती थीं। उनकी मां को यह देख चिंता होने लगी। उन्हें लगा कि बच्ची किसी मानसिक परेशानी है। इसी डर में घर वाले उन्हें डॉक्टर के पास ले गए, लेकिन डॉक्टर जो बोले, वह सुनकर पूरा परिवार दंग रह गया। डॉक्टर ने कहा कि बच्ची बिल्कुल ठीक है। बस, यह डांस करना चाहती है। इसे रोकना नहीं, बल्कि आगे बढ़ने देना चाहिए।घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी, इसलिए परिवार ने डॉक्टर की बात मान ली और निर्मला को फिल्म इंडस्ट्री में ही काम करने

की खुली छूट दे दी। इसका जिक्र सरोज खान ने खुद एक इंटरव्यू में किया था।1950 के दशक में वह बैकग्राउंड डांसर के तौर पर दिखने लगीं। इसी दौरान उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर डांस मास्टर बी. सोहनलाल से डांस सीखा, जो उनकी जिंदगी का बड़ा मोड़ साबित हुआ। यह रिश्ता सिर्फ गुरु-शिष्य तक नहीं रहा। सरोज की उम्र जब सिर्फ 13 साल थी, तभी उन्होंने सोहनलाल से शादी कर ली, जबकि सोहनलाल उनसे 30 साल बड़े थे। शादी के समय सरोज को यह भी नहीं पता था कि सोहनलाल पहले से शादीशुदा थे और चार बच्चों के पिता थे।यह सच उन्हें तब पता चला जब 1963 में उन्होंने बेटे राजू को जन्म दिया। बाद में उन्होंने दूसरा बच्चे को भी जन्म दिया, जो कुछ महीनों बाद गुजर गया। इस दौरान सोहनलाल ने उनके बच्चों को अपना नाम देने से मना कर दिया, जिससे सरोज का दिल टूट गया और यह शादी भी टूट गई।

सरोज खान की जिंदगी का सफर आसान नहीं था, लेकिन डांस उनके लिए हमेशा ताकत बना रहा। पति से अलग होने के बाद उन्होंने अपना पूरा ध्यान कोरियोग्राफी पर लगा दिया। शुरुआती संघर्षों के बावजूद उन्होंने अपना स्थान बनाया और 1970 के दशक में कोरियोग्राफर के रूप में काम शुरू किया। हालांकि असली पहचान उन्हें 1980 के दशक में मिली।'हवा हवाई', 'मैं तेरी दुश्मन', 'मेरे हाथों में' जैसे श्रीदेवी के लिए कोरियोग्राफ किए गए गानों ने उन्हें रातों-रात स्टार बना दिया। इसके बाद माधुरी दीक्षित के साथ उनका काम इतिहास बना। 'एक दो तीन', 'धक-धक करने लगा', 'तम्मा तम्मा' समेत कई गाने आज भी लोगों को झूमने पर मजबूर करते हैं।अपने करियर में सरोज खान ने तीन नेशनल फिल्म अवॉर्ड और कई फिल्मफेयर अवॉर्ड जीते।

वहीं फिल्मफेयर ने बेस्ट कोरियोग्राफी का अवॉर्ड शुरू ही उनके गाने 'एक दो तीन' की सफलता के बाद किया था। उनकी दूसरी शादी सरदार रोशन खान से हुई थी। उनकी बेटी सुकैना खान दुबई में डांस इंस्टीट्यूट चलाती हैं। बॉलीवुड में लंबा सफर तय करने के बाद सरोज खान का 3 जुलाई 2020 को कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया, लेकिन डांस स्टेप्स और मेहनत ने उन्हें हमेशा के लिए अमर बना दिया।

यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल जिंजी किले में जन कूटनीति आउटरीच कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। विदेश मंत्रालय, चेन्नई स्थित शाखा सचिवालय ने ऐतिहासिक यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल, जिंजी किले में चेन्नई स्थित वाणिज्य दूतावासों के लिए एक जन कूटनीति आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, ताइपे, सिंगापुर, थाईलैंड, मलेशिया और जापान के वाणिज्य दूतावासों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आयोजित किया गया था।

इस यात्रा के दौरान, एएसआई ने अपनी पहलों पर प्रकाश डाला, जिनमें एक विरासत स्मारक को अपनाओ कार्यक्रम भी शामिल है, जिसका उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, जागरूकता और सतत जुड़ाव को बढ़ावा देना है। इस आउटरीच कार्यक्रम ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों को जिंजी किले के ऐतिहासिक महत्व और सांस्कृतिक विरासत का प्रत्यक्ष अनुभव करने का अवसर प्रदान किया, जिससे विरासत संरक्षण और अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक कूटनीति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को बल मिला।

चार करोड़ से अधिक के बैंक धोखाधड़ी मामले में चार आरोपियों को सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सीबीआई कोर्ट, चेन्नई ने 21 नवंबर के अपने फैसले के तहत दो निजी फर्मों और दो निजी व्यक्तियों को बैंक धोखाधड़ी मामले में दोषी मेसर्स अफ्रिना स्टील रोलिंग मिल्स (निजी फर्म); मेसर्स बशीर एंड कंपनी (निजी फर्म); नजीर अहमद (दोनों फर्मों के मालिक); आशिक अराफात, निजी व्यक्ति को ठहराया और सजा सुनाई।

नज़ीर अहमद द्वारा प्रतिनिधित्व की गई दोनों निजी फर्मों को 20-20 लाख रुपये का जुर्माना भरने की सजा सुनाई गई है। दोषी नज़ीर अहमद को 7 साल के कठोर कारावास और 40 लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई है। दोषी आशिक अराफात को 1 साल के कठोर कारावास और 20,000 रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई गई है। सभी आरोपियों पर कुल 80,20,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 24 सितंबर 2010 को मुख्य सतर्कता अधिकारी, केनरा बैंक, बेंगलूरु द्वारा 9.9.2010 को लिखित शिकायत के आधार पर यह मामला दर्ज किया। आरोप यह था कि आरोपी निजी कंपनियाँ मेसर्स अफ़्रीना स्टील रोलिंग मिल्स (ए-1) और मेसर्स बशीर एंड कंपनी (ए-2), नज़ीर अहमद (ए-3) और उनकी पत्नी फ़ातिमा रिसवाना (ए-4) और आशिक अराफ़ात (ए-6) द्वारा संचालित साझेदारी कंपनियाँ थीं। आरोपियों ने केनरा बैंक को धोखा देने के इरादे से टी. राजेंद्रन (ए-5), मुख्य प्रबंधक, केनरा बैंक, किलपॉक शाखा और केएस अशोक (ए-7) पैनल वैल्यूअर केनरा बैंक के साथ मिलकर एक आपराधिक षड्यंत्र रचा, जिन्होंने लोक सेवक के रूप में अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग करके, आपराधिक इरादे से, वर्ष 2007-2008 के दौरान आरोपी निजी कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाया और निजी आरोपी व्यक्तियों ने झूठे और मनगढ़ंत दस्तावेज प्रस्तुत किए और बैंक से 405.47 लाख रुपये का ऋण और बैंक गारंटी प्राप्त की और इस प्रकार केनरा बैंक को गलत नुकसान पहुंचाया और खुद को भी गलत लाभ पहुंचाया। जांच पूरी होने पर, उपरोक्त 7 अभियुक्तों के विरुद्ध 31.05.2012 को आरोप पत्र दाखिल किया गया। 12.10.2015 को निचली अदालत द्वारा अभियुक्तों के विरुद्ध आरोप तय किए गए। मुकदमे के दौरान (ए-5) टी. राजेंद्रन और (ए-7) के.एस. अशोक की मृत्यु हो गई और उनके खिलाफ आरोप हटा दिए गए। मुकदमे की समाप्ति पर, सीबीआई मामलों की अदालत, चेन्नई द्वारा दिनांक 21 नवम्बर को निर्णय सुनाया गया और चारों अभियुक्तों को दोषी ठहराया गया और तदनुसार सजा सुनाई गई। (ए-4) फातिमा रिजवाना को दोषी नहीं पाया गया और बरी कर दिया गया।

निष्काम निस्वार्थ भाव से कर्तव्यों के प्रति समर्पित को मिलते हैं अधिकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के तिरुवात्तूर के महावीर जैन भवन में 22 नवम्बर को राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने अपने प्रवचन में कहा कि निष्काम निस्वार्थ भावों से ईमानदारी से कर्तव्यों के प्रति सबके लिए समान भाव से समर्पित होने वाला, अधिकारों की कल्पना तक नहीं करता है वह किसी जाति अथवा धर्म से हो मानवता का आदर्श बनता है। 'अधिकार और कर्तव्य सेमिनार' को संबोधित करते कहा कि जो सोचते हैं अधिकार मांगने से से नहीं मिलते, रोने से नहीं, छीनने से मिलता है वह उनके भयंकर भूल है।

उन्होंने कहा कि छीन कर लिया हुआ आत्मा को सुकून नहीं देता है। दमन करके प्राप्त करना आत्मा में अंगारे बिछाने के समान है अपने मार्ग में कांटे बिछाना जैसा काम करेगा। व्यक्ति कर्तव्य करते-करते जनता के दिलों को जीत लेता है, लोकप्रिय बन जाता है, अधिकार उसके चरणों की दासी बनकर बिना बुलाए आते हैं। जबरदस्ती अधिकार लेने वाला नफरत का पात्र बनता है।

राष्ट्रसंत ने कहा कि कर्तव्य को अनदेखा करके उनको दफनाते हुए सिर्फअधिकारों को प्राप्त करने की चर्चा करना इससे बढ़कर और कोई अधर्म और पाप नहीं हो सकता। अधिकारों को पाने के लिए जोड़-तोड़ करना, उठा पटक करना, धकेलना, शाम दाम दंड भेद कूटनीति को अपनाने वाला अधिकारों में अंधा बना हुआ दानव बन जाता है।

कर्तव्य का पालन करते हुए अधिकारों को ठोकर मारने वाला नींव के पत्थर की भांति रहने वाला देव शक्तियों का भी पूजनीय बन जाता। 23 से 25 नवंबर कॉलोनी पेट जैन स्थानक में सुबह मुनि कमलेश के प्रवचन होंगे।

श्रम संहिता बदलावकारी कदम, लाखों श्रमिकों को मिलेंगे दूरगामी फायदे: स्विगी

नई दिल्ली/भाषा

स्विगी लिमिटेड ने शनिवार को कहा कि चार श्रम संहिताओं का लागू होना एक 'बदलावकारी कदम' है, जिससे लाखों श्रमिकों को दूरगामी फायदे मिलेंगे।

स्विगी ने एक आधुनिक और समावेशी सामाजिक सुरक्षा तंत्र बनाने के सरकार के नजरिये का समर्थन किया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसे सीओएसएस (सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020) से अपने व्यवसाय के टिकाऊपन, लागत ढांचे या दीर्घावधि वित्तीय प्रदर्शन पर कोई खास असर पड़ने की आशंका नहीं है।

सरकार ने शुक्रवार को चारों श्रम संहिताओं को अधिसूचित किया, जिनके जरिए मौजूदा 29 श्रम कानूनों को एकीकृत किया गया है। ये संहिताएं - वेतन संहिता 2019, औद्योगिक संबंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020 और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य दशाएं संहिता 2020 हैं।

नई संहिताओं में पहली बार 'गिग कार्य', 'मंच कार्य' और 'एग्रीगेटर' की परिभाषाएं दी गई हैं।

नियमों के अनुसार एग्रीगेटर कंपनियों को अपने सालाना कारोबार का 1-2 प्रतिशत (अधिकतम पांच प्रतिशत तक की सीमा के साथ) गिग और मंच श्रमिकों को दिए जाने वाले भुगतान के आधार पर सामाजिक सुरक्षा कोष में जमा करना होगा।

स्विगी ने कहा, ''यह सुधार भारत के कल्याण और नियामकीय प्रारूप में एक बड़ा बदलाव है। यह एक ऐसा सामाजिक सुरक्षा ढांचा बनाने की दिशा में बड़ा कदम है, जो सबको साथ लेकर चलने वाला है। यह औपचारिक नौकरी, असंगठित क्षेत्र और तेजी से बढ़ती मंच अर्थव्यवस्था तक फैला हुआ है।'' कंपनी ने कहा, ''हम इस पल की अहमियत और इन सुधारों से लाखों श्रमिकों को होने वाले बड़े फायदों को समझते हैं।''

बेंगलूरु राउंड टेबल ने 200 जरूरतमंद लोगों को बाँटे कृत्रिम पैर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बेंगलूरु राउंड टेबल-7 ने समाजसेवा के अपने 47 वर्ष पूर्ण होने का जश्न मनाते हुए इस वर्ष 1500वीं बैठक को यादगार बनाते हुए संस्था ने प्रोस्थेटिक लिम्ब दान किए। राउंड टेबल ने स्थापना से अब तक 6 हजार से अधिक कृत्रिम अंग दान किए हैं और इस वर्ष में 30 लाख रुपए की सहायता करेगा। शनिवार को बेंगलूरु राउंड टेबल-7 व बेंगलूरु लेडीज़ सर्कल-19 ने कर्नाटक मारवाड़ी यूथ फेडरेशन के साथ मिलकर लिम्ब सेंटर में 200 जरूरतमंद लोगों को प्रोस्थेटिक अंग दान किए।

लेडीज़ सर्कल की चेयरपर्सन नताशा आहूजा ने कहा कि प्रोस्थेटिक हाथ देने की पहल से जरूरतमंदों को नए अवसर मिले हैं। राउंड टेबल के चेयरमैन अभिषेक आहूजा ने कहा कि इस तरह की पहल ने कई लोगों को अपनी आज़ादी वापस पाने और कई परिवारों के चेहरे पर मुस्कान लाने का मौका दिया है। इस अवसर पर कमायूफे के लिम्ब योजना के चेयरमैन एफआर सिंघवी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि हर प्रोस्थेटिक लिंब को बनाने में लगभग 2,500 रु और कृत्रिम हाथ बनाने में 5,000 रु की लागत आती है।

कर्म निर्जरा के लिए हमेशा प्रयासरत रहे मुनिश्री शालिभद्र : विनयमुनि खींचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में मुनि शालिभद्र जी की स्मृति में आयोजित गुणानुवाद सभा में विनयमुनि जी खींचन ने कहा कि जन्म और मृत्यु के बीच के समय को जीवन कहते हैं। जीवन यात्रा में पुण्य और पाप सहयात्री होते हैं। मात्र मनुष्य भव में ही जीव श्रेष्ठ पुण्य बंध कर सकता है। हमारे कर्म ही हमसे सारे नाटक करवाते हैं। बुढ़ापे और मृत्यु को कोई रोक नहीं सकता है। इस जीव को न तो कोई जला सकता है, न गला सकता है और न मार ही सकता है। विनयमुनिजी ने शालिभद्रजी के जीवन चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि अलवर के संचेती परिवार के प्रकाशचंद (मुनि शालिभद्रजी) ने जयपुर आ कर जवाहरात का सफल व्यापार किया और पचासों देशों में व्यापार फैलाया। अपार वैभव और सुख पूर्ण जीवन में माता चंपाबाई ने संत शालिभद्रजी को चेताया कि संसार की समृद्धि खूब बढ़ा ली, अब आत्मा की चिंता करें। यहीं से प्रकाशचंद के जीवन में मोड़ आया और संयोग से उन्हें ज्ञान गच्छ के संत जयंतीलालजी से मिलना हुआ। संत के वैराग्यपूर्ण वचनों को सुन उन्हें महसूस हुआ कि मुझे सही रास्ता मिल गया है और यहां से मुमुक्षु जीवन की शुरुआत होती है। ज्ञान गच्छाधिपति मुनि चंपालालजी से सजोड़े संयम ले कर प्रकाशचंद मुनि शालिभद्र बन गए थे। विनयमुनि जी ने बताया कि संयम लेते ही मुनि शालिभद्र जी ने साधना में तप का मार्ग अपनाया और अनेक परिषहों और तप से स्वयं के शरीर को कृष कर दिया। गर्मी में धूप और ठंडी में शीत को अपना शरीर सौंप कर कर्म निर्जरा के लिए जूझ पड़े और 31 वर्ष तक संयम पालन कर समाधि मरण को प्राप्त हुए।ङ्क अलसूर संघ की ओर से मंत्री अभय कुमार बांठिया ने मुनि शालिभद्रजी का जीवन परिचय देते हुए बताया कि वे तप और ताप के जीवंत संत थे। 40 वर्ष की वय में उन्होंने कठोर ब्रह्मचर्य व्रत स्वीकार कर 47 वर्ष की उम्र में दीक्षा ली। ज्ञान गच्छ के इतिहास में मुनि शालिभद्रजी की तप आराधना का विशिष्ट स्थान है। अंतिम समय में बालोतरा में 16 दिन की तपस्या के साथ उनका देवलोक गमन हुआ। उस समय उनके गुरु मुनि प्रकाशचंद्र जी भी वहां उपस्थित थे। चार लोगस्स का ध्यान कर दिवंगत मुनि के लिए शाश्वत सुख की कामना की गई।

ऊर्जा के केन्द्र होते हैं तीर्थ स्थान : डॉ. वरुण मुनि

कृष्णगिरि। शहर के पार्श्व-पद्मावती कृष्णागिरि तीर्थ धाम में विराजित वरुणमुनिजी ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए तीर्थ के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तीर्थ स्थान हमारे जीवन व भावनाओं को पवित्र बनाते हैं। तीर्थ हमारी संस्कृति के द्योतक होते हैं। हम सभी को मंदिर व तीर्थों की यात्रा अवश्य करनी चाहिए। तीर्थ सकारात्मक उर्जा देने वाले होते हैं, जो व्यक्ति तीर्थ में जाता है उसका जीवन निर्मल व स्वच्छ हो जाता है। मधुर वक्ता रूपेश मुनि जी ने भजन प्रस्तुत कर सभा को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। उप प्रवर्तक श्री पंकज मुनिजी ने सभी को मंगल पाठ प्रदान किया। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति, महिलाएँ, युवा और बालक-बालिकाएँ उपस्थित थे।

संतोष ही सच्चा धन होता है : आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरी

वर्षीदान वरघोड़े में मुमुक्षु ने संपत्ति के दान का दिया संदेश, दीक्षा आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शंकरपुरम में आचार्यश्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में आयोजित मुमुक्षु भव्य शाह की दीक्षा के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय 'संसार परिहार उत्सव' के दूसरे दिन वर्षीदान वरघोड़े के समापन पर प्रवचन में आचार्य श्री अरिहंतसागरजी ने कहा कि प्रत्येक जीव सुख की चाह में दिन रात प्रयासरत है। अधिकांश जीव सच्चे सुख से अनजान रहते हुए मात्र बाह्य सुख सुविधाओं की प्राप्ति हेतु धन संपत्ति के अर्जन में ही अमूल्य मानव जीवन खपा देते हैं। धन प्राप्ति होने पर भी लोभवश मन में पैदा होने वाली नई-नई इच्छाएँ इंसान को सतत बेचैन रखती है क्योंकि सच्चा सुख धन संपति में नहीं बल्कि, संतोष, निःस्पृहता जैसे आत्मिक गुणों की प्राप्ति में है। इसी सिद्धांत का मानो संदेश देने अपार सत्ता और संपत्ति होने पर भी तीर्थंकर अपने राजमहल, सुख सुविधा आदि का स्वेच्छा से त्याग कर दीक्षा लेते हैं। दीक्षा लेने के एक वर्ष पूर्व से वे प्रजा को मनचाही चीज़ों का दान देना प्रारंभ करते हैं जिसे वर्षीदान कहते हैं। तीर्थंकर की त्याग-वैराग्य युक्त प्रशांत मुखमुद्रा को देखने पर दान ग्रहण करने आए हुए याचकों की लोभवृति शांत हो जाती है और जो कुछ मिलता है उससे वे संतुष्ट होकर अपने आप को धन्य समझते हैं। तीर्थकरों की इसी क्रिया के यत्किंचित अनुकरण के रूप में मुमुक्षु ने आज संसार के त्याग के प्रतीक स्वरूप वस्तुओं और संपत्ति का दान दिया। इस प्रक्रिया से जन जन में यह संदेश प्रसारित करने का प्रयास किया जाता है कि सच्चा सुख देने की क्षमता धन या वस्तु में नहीं है बल्कि इसके त्याग में है। और तो और, इस धन दौलत की प्राप्ति में इंसान विवेक खोकर अन्याय-अनीति, चोरी, धोखाधड़ी से लेकर कई बड़े अपराध भी कर बैठता है। अतः अनेक बुराइयों की जड़ समान संपत्ति का स्वयं त्याग कर औरों को भी दान धर्म का उपदेश देने वाले साधु अपराधमुक्त, संतुलित और स्वस्थ समाज के निर्माण में बेजोड़ भूमिका अदा करते हैं। ङ्कप्रवचन से पूर्व नेशनल कॉलेज स्वीमिंग पूल से आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीजी सहित शहर में विचरित अनेक साधु साध्वियों की निश्रा में मुमुक्षु का वर्षीदान वरघोड़ा प्रारंभ हुआ। संभवनाथ मंदिर पहुँचने पर मुमुक्षु ने आचार्य श्री अभयशेखरसूरीश्वरजी का आशीर्वाद प्राप्त किया। वरघोड़ा बसवनगुडी, गुणवर्धक संघ, वी.वी.पुरम, संभवनाथ मंदिर होते हुए शंकरपुरम स्थित दीक्षा मंडप में पहुँचकर धर्मसभा में परिवर्तित हो गया।

वरघोड़े में शामिल अनेक आकर्षण

दीक्षा महोत्सव के आयोजक कल्याण मित्र परिवार के मीडिया प्रभारी हितेश कटारिया ने बताया कि संपत्ति के दान में सुख के संदेश को आमजन तक पहुँचाने के लिए वर्षीदान वरघोड़े में सबसे आगे स्थानीय भाषा में दीक्षा, जैन साधु, वर्षीदान की मौखिक समझ दी जा रही थी। इसके अलावा कार्यकर्ता विभिन्न भाषाओं में दीक्षा संबंधित तैयार किए गए संक्षिप्त लेख की प्रतियाँ राहगीरों को वितरित कर रहे थे। इसके बाद गोयम बैण्ड, राणीबेन्नूर बैण्ड, नृत्य मण्डलियां, भगवान के रथ, पालखी, अश्वसवार, चतुर्विध संघ, वर्षीदान करते हुए दीक्षार्थी का रथ, नंदी ढोल, दक्षिण भारत के मंगल वाजिंत्र वादक, केरल के नादस्वर मण्डली, बैलगाड़ियों में दीक्षा के परिचायक सुवाक्ययुक्त रचनाएँ, जैन शासन का ध्वज लेकर चल रहे युवा, भगवान और गुरु को चंवर डुलाते श्रावक, अष्टमंगलधारी सैनिक, गरीबों को अनुकंपा दान करती गाड़ी, शहर के विभिन्न संघों के महिला मंडल, पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रावक श्राविकाएँ, गणमान्य व्यक्ति, वरघोडे की सुचारू व्यवस्था करते और गणवेश में सजे कल्याण मित्र परिवार के सदस्य, मुंबई से आए दीक्षार्थी के परिवारजन सहित हज़ारों लोग इस विशाल वरघोड़े की शोभा बढ़ा रहे थे।वरघोड़ा जहां जहाँ से गुजरा वहां वहां लोग अपने घर, दुकानों से इसे देखने सड़क पर उमड़ पड़े। करीब चार किलोमीटर लंबे इस वरघोड़े में शंकरपुरम युवक मण्डल, महिला मण्डल सहित शहर के अनेक संघ, संगठनों और मण्डलों ने अपनी सेवाएं दी। वरघोड़े के पश्चात दीक्षा मण्डप में आयोजित सभा में केसरिया आदिनाथ जैन संघ, शंकरपुरम ने मुमुक्षु का सम्मान किया। दोपहर को दीक्षार्थी के परिवारजनों ने दीक्षार्थी को गृहस्थ अवस्था का अंतिम भोजन कराया। शाम को आयोजित विदाई समारोह में कल्याण मित्र परिवार के ही युवा सदस्य अमन सोमावत ने दीक्षार्थी भव्य शाह से साक्षात्कार कर दर्शकों के समक्ष एक अनोखे अंदाज़ में दीक्षा धर्म की महानता, उपयोगिता, विशेषता आदि पहलुओं को प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि सांसारिक परिवार के लिए भले ही यह एक विदाई समारोह है लेकिन मुमुक्षु के लिए तो भगवान महावीर के श्रमण परिवार में यह स्वागत समारोह है। अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं ने दीक्षार्थी को अक्षत से वर्धापन कर संयम जीवन की मंगलकामनाएँ दी।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.